जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 235 प्रभात उदयपुर, शनिवार 28 जून, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

एससीओ में भारत का अकेला पड़ना, विदेश नीति की कमज़ोरी झलकाता है?

विशेषज्ञों के अनुसार, एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन) में सदा से भारत को एक महत्वपूर्ण सीट मिलती थी, पर, अब भारत की उपस्थिति मात्र एक औपचारिकता होकर रह गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। हाल ही में संपन्न हुए शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत के कूटनीतिक रुप से अलग-थलग पड़ने की बढ़ती हुई स्थिति ने रणनीतिक विशेषज्ञों और पूर्व राजनयिकों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

यह मंच, जिसे कभी भारत के लिए पूर्व और पश्चिम के बीच अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को संतुलित करने के एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय प्लेटफॉर्म के रूप में देखा जाता था, अब वैश्विक मंच पर नई दिल्ली के घटते प्रभाव को दर्शाता है। विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान शासन के तहत लगातार हुई विदेश नीति की गलतियों के कारण भारत की प्रतिष्ठा में गिरावट आई है और यह स्थिति एससीओ जैसे महत्वपूर्ण

- इस "दयनीय स्थिति" की जिम्मेवारी विदेश मंत्री एस. जयशंकर की "धूल धूसरित" भूमिका को माना जाता है।
- विदेश नीति विशेषज्ञों का मानना है, कि विदेश मंत्री सरकार की सोच (आइडियोलॉजी) के प्रवक्ता बनकर रह गए, जबकि उनको भारत के सामरिक हितों का रक्षक बनना था।
- अंतर्राष्ट्रीय फोरम (प्लेटफॉर्म्स) पर देशभक्ति पूर्ण भाषणबाजी को आक्रामक तरीके से दोहराने से, हालाँकि उनकी देश में लोकप्रियता बढ़ी, पर, इस आक्रामक स्टैण्ड से विश्व में भारत के प्रतिद्वंदियों के मन में कोई सच्ची दोस्ती नहीं बन पाई और न प्रतिद्वंदियों के भारत के प्रति रुख में कोई परिवर्तन आया।
- यहाँ तक कि परम्परागत रूप से भारत के समर्थक देश, ईरान व सैन्ट्रल एशिया के छोटे-छोटे नये देश भी धीरे-धीरे चीन के नज़दीक जाने लगे हैं और भारत के लिए रंगमंच पर भूमिका निभाने के लिए जगह और कम हो गई है।

भू-राजनीतिक मंच पर शर्मनाक हद तक अलग-थलग पड़ जाने के रूप में सामने आई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा "पड़ोसी पहले" और "विश्व गुरु" जैसे नारे देकर प्रभावी कूटनीति की जो शुरुआत की गई थी, उसकी ज़मीनी हकीकत अब एक रणनीतिक शून्य के रूप में सामने आ रही है। अफगानिस्तान, आतंकवाद- निरोध, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और संपर्क परियोजनाओं सहित प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों पर हुई चर्चाओं में भारत को स्पष्ट रूप से दरकिनार कर दिया गया। पर्यवेक्षकों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत के साथ बहुत बड़ा व्यापार समझौता कर सकता है अमेरिका'

नई दिल्ली, 27 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ 'बहुत बड़ा' व्यापार समझौता कर सकता है। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल अंतिम दौर की व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन गया हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में भारत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत आयात शुल्क

- अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन के साथ व्यापार समझौते की जानकारी देते हुए कहा कि हम भारत के साथ भी वैसा ही समझौता करेंगे, जैसा चीन के साथ किया है।

लगाया था, लेकिन भारत सरकार के रूख को देखते हुए उसे नौ जुलाई तक स्थगित कर दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू हो गयी। वाइट हाउस में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने कहा कि चीन के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं और भारत के साथ भी इसी तरह का व्यापार समझौता हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, भारत के साथ एक समझौता हो सकता है...हम भारत के साथ उसी तरह का समझौता करने जा रहे हैं, जैसा चीन के साथ किया है।

'केवल भाषणबाजी, इच्छाशक्ति व व्यक्तिगत "डिप्लोमैसी" से युद्ध समाप्त नहीं होते'

"हेग" (नीदरलैण्ड) में आयोजित नाटो के शिखर सम्मेलन में ट्रंप की स्वीकारोक्ति से काफी चिंतित हुए दर्शक

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। डॉनल्ड ट्रंप द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए दुस्साहसी दावों, कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को "24 घंटे में खत्म कर देंगे" से भारी उम्मीदे पैदा हो गई थीं, पर इसके विपरीत, नीदलैंड के हेग में संपन्न हुए हालिया नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक कड़वी सच्चाई स्वीकार की। उन्होंने माना कि यह युद्ध केवल बयानबाज़ी, इच्छाशक्ति या व्यक्तिगत कूटनीति से खत्म नहीं किया जा सकता। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, "यह उतना आसान नहीं है, जितना लोग सोचते हैं।" यह उनके पूर्व के आत्मविश्वासी रवैये में एक नाटकीय बदलाव था।

पुनः दुनिया की सुर्खियों में लौटे राष्ट्रपति ने शांति की राह में खड़ी जटिल बाधाओं को स्पष्ट किया। इनमें सबसे प्रमुख हैं: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। ट्रंप ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुतिन "गुमराह" हैं और यह भी स्वीकार किया कि क्रेमलिन अभी भी ईमानदारी से बातचीत के लिए तैयार नहीं है। ट्रंप ने कहा, "पुतिन की युद्ध खत्म करने में

- इस सम्मेलन में ट्रंप ने पुतिन के बारे में कहा था कि वे "मिसगाइडेड" हैं तथा क्रैमलिन की कोई रूचि नहीं कि युद्ध समाप्त हो।
- ट्रंप ने नाटो शिखर सम्मेलन में यह भी कहा, यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलैंस्की की जिद, कि युद्ध के बारे में "नैतिक कंफ्यूज़न" पहले साफ होना चाहिए, के नारे के कारण भी यूक्रेन युद्ध समाप्त होने में विलम्ब हो रहा है।
- ट्रंप ने यह भी कहा कि यूक्रेन का युद्ध केवल एक रात में ही खत्म नहीं हो जायेगा। उन्होंने यह बात भी कही कि अगर, रूस पर और आर्थिक प्रतिबंध लगाये गये तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। पुतिन का रुख और कड़ा व सख्त ही होगा।

कोई रुचि नहीं है।" यह एक चौंकाने वाली स्वीकारोक्ति थी, विशेषकर इसलिए कि ट्रंप को कभी मॉस्को के प्रति नरम रुख अपनाने के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। उन्होंने यह भी माना कि यह युद्ध खुद रूस के लिए भी "एक बड़ी मुसीबत" बन गया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि किसी ठोस प्रगति की उम्मीद अब भी क्षीण है।

साथ ही, ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ैलेंस्की की ओर भी एक जटिल कारक के रूप में इंगित किया। यद्यपि उन्होंने सीधी आलोचना से परहेज़ किया, पर यह संकेत दिया कि ज़ैलेंस्की का राजनैतिक रुख, जिसमें नैतिक स्पष्टीकरण पर जोर देना, पश्चिमी एकजुटता की मांग और आभार की अपेक्षाएं शामिल हैं, परदे के पीछे की कूटनीति में बाधा बना हैं। ट्रंप ने ज़ैलेंस्की के साथ अपनी मुलाकात को "लंबी और सार्थक" बताया, लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजनाथ सिंह ने चीन और रूस के रक्षा मंत्री से मीटिंग की

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन की शिखर वार्ता के दौरान रक्षा मंत्री ने अलग से ये बैठकें कीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चीन के चिंगदाओ में आयोजित शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के अलावा, रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलोउसव और चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं।

उन्होंने भारत-चीन सीमा पर दोनों पक्षों द्वारा उठाए जा रहे कदमों की पुष्टि की, जिनका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति को बहाल करना है। उन्होंने जटिल मुद्दों के समाधान के लिए स्थायी संवाद और तनाव मुक्ति की एक संरचित कार्य योजना की आवश्यकता पर बल दिया।

राजनाथ सिंह ने सीमा प्रबंधन और सीमा निर्धारण के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए, इस मुद्दे पर पहले से स्थापित तंत्र को पुनर्जीवित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने एशिया और विश्व में स्थिरता के लिए सहयोग

- चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से मीटिंग में रक्षा मंत्री ने भारत-चीन सीमा पर दोनों पक्षों द्वारा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।
- रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलोसोव के साथ मुलाकात में रूस की एस-400 वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति पर चर्चा की गई। इस प्रणाली की ऑपरेशन सिंदूर में अहम् भूमिका थी।

के साथ-साथ, परस्पर लाभ हेतु अच्छे पड़ोसी संबंधों को विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने 2020 की सीमा झड़प के बाद उत्पन्न हुई विश्वास की कमीको जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई करके दूर करने और पुनः भरोसा बढ़ाने की भी अपील की।

अपने रूसी समकक्ष के साथ बैठक में दोनों नेताओं के बीच वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति, सीमा पार के आतंकवाद और भारत-रूस रक्षा सहयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई।

रूसी रक्षा मंत्री ने भारत-रूस के दीर्घकालिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि ये समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। साथ ही, उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह और कायरतापूर्ण आतंकी हमले को लेकर भारत के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि किंगदाओ में रुस के रक्षामंत्री आन्द्रे बेलोउसॉव से मुलाकात कर खुशी हुई। भारत-रुस रक्षा सम्बंधों को मजबूत करने को लेकर उपयोगी विचार- विमर्श हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री को फोन किया

नयी दिल्ली, 27 जून। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम के बाद मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराग़्ची से टेलीफोन पर बात की और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

डॉ. जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज दोपहर ईरान के

- जयशंकर ने भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का आभार जताया।

विदेश मंत्री अराग़्ची से बात की। वर्तमान जटिल स्थिति में ईरान के दृष्टिकोण और सोच को साझा करने के लिए उनकी सराहना करता हूँ। भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए उनका धन्यवाद।

ऑपरेशन सिंधु के तहत, अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन, अमेरिका को "रेअर अर्थ" खनिज निर्यात करने पर राजी हुआ

अमेरिका ने "रेअर अर्थ" का निर्यात खुलवाने के लिए साम-दाम-दण्ड-भेद सहित सभी तरीके अपनाये

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। हर कोई शक्ति के प्रभाव को समझता है, और सबसे अधिक, चीन। चीन ने जहाँ दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) के अमेरिका को निर्यात पर लगे प्रतिबंधों को हटाने पर सहमति दे दी है, वहीं, चीन, भारत के लिए ऐसे ही निर्यातों को लगातार सीमित कर रहा है।

व्यापार, आर्थिक मुद्दे और भू-राजनीति (जिओ पॉलिटिक्स) आज की बदलती वैश्विक कूटनीति में गहराई से उलझते जा रहे हैं। ऐसे में अब यह पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है कि आर्थिक नीतियों को भू-राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप ढाला जाए।

एक विजय की घोषणा करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति और वाणिज्य सचिव ने गुरुवार को कहा था कि चीन अमेरिका को इन वस्तुओं का निर्यात फिर से शुरू करेगा। अगले ही दिन चीन ने भी यही घोषणा की। अमेरिका और

- पर, अमेरिका को कामयाबी तब मिली, जब उसने अमेरिका में पढ़ रहे सभी चीनी विद्यार्थियों के वीज़ा कैन्सल करने की धमकी दी।
- तथापि, चीन ने अभी भी भारत के लिए "रेअर अर्थ" की सप्लाई नहीं खोली है।
- चीन की दृष्टि से भारत एक बड़ा मार्केट है, अतः भारत की "मैन्यूफैक्चरिंग" को बढ़ाने में चीन कोई सहयोग करने को तैयार नहीं है।
- भारत भी अपनी तरफ से चीन के निर्यात को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, चीन के भारत में "इन्वैस्टमैंट" के प्रस्तावों पर भारत सरकार बड़ी बारीकी से निरीक्षण करती है और बड़े ही बेमन से एकाध प्रस्ताव को ही स्वीकार करती है।

चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर सहमत हो गए हैं, जो वैज्ञानिक अनुसंधान, इलेक्ट्रॉनिक निर्माण और डिफैन्स सैक्टर एप्लिकेशन के लिए बेहद जरूरी कच्चा माल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने तीखे शब्दों में कहा था कि चीन अमेरिका को दुर्लभ खनिजों का निर्यात फिर से शुरू करेगा। दोनों देशों के बीच चल रही दबाव की राजनीति का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले सप्ताह अमेरिका ने ईथेन व्यापारियों को चीन जाने वाले जहाजों पर माल लादने की अनुमति तो दी, लेकिन प्रशासन की अनुमति के बिना चीन में माल उतारने पर प्रतिबंध लगा दिया।

दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट्स के निर्यात पर यह सहमति, लंबे समय से चल रही बातचीत, धमकियों (जैसे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक चिप्स और अन्य आवश्यक सामग्री की आपूर्ति रोकने की चेतावनी) का परिणाम है। तथापि, अमेरिकी प्रशासन ने अपनी बात मनवाने के लिए कई धमकियाँ दीं।

इनमें से एक धमकी यह थी कि अमेरिका के अग्रणी विश्वविद्यालयों में दाखिल चीनी छात्रों के वीज़ा रद्द कर दिए जाएंगे। इस एक धमकी ने चीन को बुरी तरह झकझोर दिया और खुद राष्ट्रपति शी जिनपिंग को इसकी निंदा करनी पड़ी। पूरे चीन में, अमेरिका के इन विश्वविद्यालयों में दाखिला पाना एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान का यूरेनियम भंडार सुरक्षित ?

तेहरान, 27 जून। ईरान ने अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को 22 जून के अमेरिकी हवाई हमलों से पहले फोर्डो केन्द्र से स्थानांतरित कर दिया था। यह जानकारी फाइनेंशियल टाइम्स ने

- फाइनैंशियल टाइम्स ने यूरोपीय अधिकारियों के खुफिया आंकलन के आधार पर दावा किया कि फोर्डो में संवर्धित 60 प्रतिशत शुद्धता वाला 408 किलो यूरेनियम अलग-अलग जगहों पर रखा गया था।

शुक्रवार को यूरोपीय अधिकारियों द्वारा साझा किए गए प्रारंभिक खुफिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नए डीजीपी के लिए यूपीएससी ने तीन नामों का पैनल भेजा है

ये तीनों वरिष्ठतम अधिकारी हैं, राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल

जयपुर, 27 जून। राजस्थान पुलिस को जल्दी ही नया पुलिस महानिदेशक मिलने वाला है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राज्य सरकार को तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजा है। ये तीन अफसर हैं - राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इनमें से किसी एक को चुनकर नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति करेंगे। पुलिस विभाग और प्रशासनिक गलियारों में इस नियुक्ति को लेकर उत्साह और उत्सुकता का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, यूपीएससी ने नियमों के अनुसार यह पैनल तैयार किया है। इसमें अधिकारियों की वरिष्ठता,सेवा रिकॉर्ड और केन्द्र और राज्य स्तर पर अनुभव को ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही नए पुलिस

राजेश निर्वाण

संजय अग्रवाल

राजीव शर्मा

महानिदेशक की नियुक्ति के आदेश जारी हो सकते हैं। यह प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही है, क्योंकि वर्तमान कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरडा तीस जून 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। गौरतलब है कि पैनल में शामिल तीनों अधिकारी अनुभवी और काबिल हैं और वरिष्ठता को पैमाना माना जाए तो राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल में से किसी एक को राजस्थान पुलिस की कमान सौंपी जाएगी। लेकिन अगर वरिष्ठता के आधार पर नियुक्ति नहीं हुई तो किसी अन्य अधिकारी को भी यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। यह फैसला मुख्यमंत्री के विवेक पर निर्भर करेगा। नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को लेकर पुलिस विभाग से लेकर प्रशासन तक चर्चाओं का माहौल गर्म है। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था की बागडोर किसके हाथों में दी जाएगी। यह नियुक्ति न केवल पुलिस बल के लिए, बल्कि राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। आने वाले दिनों में राजस्थान पुलिस को नया नेतृत्व मिलेगा,जो प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

- यूपीएससी ने पैनल मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा है, अगर वरिष्ठता को आधार माना गया तो इन तीनों में से किसी एक को राजस्थान पुलिस का मुखिया बनाया जाएगा।
- लेकिन अगर वरिष्ठता को आधार नहीं माना गया तो किसी अन्य को भी यह पद मिल सकता है, फिलहाल पुलिस विभाग सहित समूचे प्रशासन में इस नियुक्ति को लेकर भारी उत्सुकता का माहौल है।
- कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरडा सोमवार 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। माना जा रहा है कि तब तक नए डीजीपी के नाम का फैसला हो जाएगा।

एसीबी के एडिशनल एसपी की गाड़ी से 9.35 लाख रूपए बरामद

जयपुर, 27 जून। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर शुक्रवार देर रात को एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा की गाड़ी का अचानक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की गाड़ी में 9 लाख 35 हजार रुपए मिले। एसीबी के

- मुख्यालय के निर्देश पर एडिशनल एसपी जगराम मीणा की गाड़ी का अचानक निरीक्षण किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ और स्पेशल यूनिट द्वितीय के नेतृत्व में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया, एसीबी की टीम द्वारा जगराम मीणा की कार का झालावाड़ से जयपुर आते हुए शिवदासपुरा टोल पर अचानक निरीक्षण किया गया।

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

भविष्य की नींव हम कैसी निर्माण कर रहे है?

कृषि व प्रोफेशनल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकारें अभी तक देश के आधे युवाओं को वंचित करती रही हैं विभिन्न कारणों और बिना कारणों के :

कृषि व प्रोफेशनल शिक्षा के क्षेत्र मेंप्रदेश सरकारें अभी तक देश केआधे युवाओं को वंचित करती रही हैं विभिन्न कारणों और बिना कारणों के : स्वतंत्रता पश्चात देश की सरकार मंचों से जनता को अभी तक भ्रमित और गुमराह ही करती रही है। सभी प्रकार की शिक्षाओं के अनुपयुक्त संसाधन और उनके लचर पचर सञ्चालन ने देश में कतिपय शिक्षाओं को छोड़कर लगभग सभी प्रोफेशनल जिसमे कृषि शिक्षा भी शामिल है ,सरकार के लगातार वर्ष दर वर्ष उदासीन रवैये ने शिक्षण संस्थाओं के भवनों को तो बख्श दिया है परन्तु उनमें होने वाली सभी शिक्षण गतिविधिओं का ऐसा सत्य नाश मारा है जो मेरे आंकलन से अगले तीन दशकों तक भी सुचारु और वांछित राह पर आने वाली नहीं।

इस लेख में पाठकों ,छात्रों ,अभिवावकों एवं उन बुद्धि जीविओं और सरकार में गुना भाग करने वाले सचिवो का ही ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करूँगा जो शिक्षा के सञ्चालन को सर्वोत्तम श्रेय देते हैं। सरकारी विफलताओं से उपजी त्रुटि शिक्षण में व्याप्त होकर छात्रों का अहित और अंत: देश का अहित करती है ,उनपर अपने कुछ प्रश्न उठाकर प्रभावित् वर्ग से ही उनका उत्तर देने काअनुरोध करता हूँ,कियोंकि देश जाय भाड़ में ,छात्रों का समय और उन के अभिवावकों का असीम धन का जब अबव्यय होता है उसकी भरपाई कभी संभव नहीं होपाती। भविष्य में धन भले ही उपलब्ध कर लिया जाय बीता समय और छात्र की बीती आयु की भरपाई सरकार अथवा अन्य किसी के माध्यम से तीन पीडियां भी क्षितपूर्ति नहीं कर सकेंगी।

जनप्रतिनिधि एक निश्चियत समय के बाद राजनीत से चले ही जाते हैं। सरकारी अफसर भी रिटायर होकर अपने घर बैठे पेंशन लें रहे होते हैं लेकिन पढ्ने वाले का समय जो बिना पढ़े बीत गया वो क्या लौट सकेगा ? पढ्ने वाला भी पढ्ने की आयु सीमा पार कर जायेगा और अन्य किसी काम का फिर नहीं रहेगा सिवाय मजदूरी करने के। क्या प्रधान मंत्री ,शिक्षा मंत्री व् अन्य कोई इस प्रश्न का जवाव देश को दे सकता है ?

दूसरा प्रश्न देश के युवा को अन्य देशों में पढ़ाई के लिए क्यों जाना पढता है ?कारण स्पष्ट है देश की सरकारों ने छात्रों की अपार सख्या और बढ़ते तकनीकी व् प्रोफेशनल ज्ञान के पाने के लिए देश का युवा लालायत है लेकिन सरकार के बोये अनेक उपजे अवरोधों से न तो उसे वांछित संस्था में प्रवेश मिलता है और न वाछित विषय। कोई राह न मिलते देख वह और उसके अविभावक अपने संपत्ति बेचकर अपने लाड़ले को किसी अन्य देश में बिना सरकारी निर्देशएवं मदद के बिचौलिओं की मार्फ़त भेज देते हैं।

> **सरकार के लगातार वर्ष दर वर्ष उदासीन रवैये ने शिक्षण संस्थाओं के भवनों को तो बख्श दिया है परन्तु उनमें होने वाली सभी शिक्षण गतिविधिओं का ऐसा सत्य नाश मारा है जो मेरे आंकलन से अगले तीन दशकों तक भी सुचारु और वांछित राह पर आने वाली नहीं।**

यूक्रैन रूस युद्ध के समय यह देश पहली बार जान पाया कि हज़ारों की संख्या में देश के छात्र अन्य देशों में पढ़ रहे हैं। उन्हें निकालने के लिए देश के तीन चार मंत्रिओं को प्रधान मंत्री ने भेजा तब वे छात्र स्वदेश लौट सके। आश्चर्य होता है ,यह सवाल किसी ने नहीं पूंछा और न किसी अखवार में छपा अथवा सदन में किसी सदस्य ने उठाया। प्रधान मत्री ने अपने चार पांच मंत्रिओं को यूक्रैन ,पोलैंड ,रूस आदि देशों में उन छा त्रों को निकालने और वापिस देश लाने तो भेजा। लौट कर वे सब मंत्री ,प्रधान मंत्री और छात्र चुप बैठ गए वहां जो कुछ पढ़ा सब बेकार। किसी ने भी यह नहीं सोचा कि इन छात्रों के लिये वांछित शिक्षा देश में ही क्यों उपलब्ध नहीं हो सकती ? सात दसक बीत गए अनेक पांच वर्षीय योजनाएँ पूरी होचुकी ,फिर भी देश का युवा न तो शिक्षित हो सका और न ही संपन्न। योजनाओं का सही क्रियान्वन नहीं हुआ ,सत्ता में वैठे राजनेता और उनके बिचोलिये देश का जो धन विकास में खर्च होंना चाहिये था उसको डकारते रहे और महल बनाकर उनके कमरे करेंसी नोटों की गड्डिओं से भरते रहे। प्रधान मंत्री मोदी जी वैसे तो ईमानदार हैं परन्तु भ्रष्ट लोगों पर आज तक न तो नकेल कसी जा सकीऔर न ही कोई अन्य वांछित कार्यवाही की गयी। भाषण में किसी बात को यदा कदा मंच से पब्लिक में कह देना और वास्तव में उस पर कार्यवाही करने में अंतर होता है। मेरा सुझाव है कि सभी विकास अभी रोककर पूँजी (सभी प्रकार की शिक्षा) विकास पर प्राथमिकता हो। अपराधी कोर्ट से जमानत और जेल से पेरोल पर स्वतंत्र बने रहते हैं। क्याऐसी व्यवस्था को बाबा साहब ने पुस्तक में लिख दिया था? विपक्ष के मुखर कांठोस नेता जो बाबा साहव की किताब की प्रति लेकर जनता को दिखाते फिरते हैं ने भी पीड़ित छात्रों के इस दु:ख को कभी कहीं आवाज नहीं दी। विदेश से लोटे छात्रों के इस दु:ख को किसी मीडिया ने नहीं उठाया। आश्चर्य होता है कि विपक्ष मौन क्यों हुआ इस बात पर ?क्या वे इस देश के नागरिक नहीं थे क्या वे वोटर भी नहीं थे ? . दु:ख की बात है कि सरकार अप्राधिओं के सब अपराध सेहती रहती है जो तुरंत वांछित पुलिस कार्यवाही के लिए उपयुक्त होते हैं। यहाँ तक देश द्रोह भी अब बर्दास्त किया जाता है। अब तीसरा प्रश्न सरकार से कि जिन गरीवों और पिछड़े वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था वे सत्तर वषों तक उन्नत क्यों नहीं बन सके ?निश्चित रूप से सरकार की योजनाएं या तो सही नहीं थी अथवा उनकी क्रियान्वति में कोई कमी रह गई। समय है सरकार एक आयोग गठित कर आंकलन करवाए कि कितने पिछड़े और गरीव संपन्न हो गए उनकेबेटे बेटियां क्या उच्च शिक्षा ठाहण कर सके ?सरकार की कलई खोलने के लिए वस्तु स्तिथि जानना और लोगों तो शीशा दिखाना और देखना अति आवशयक है।

दूसरी बात भी जो जानना है कि गरीबों की आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने से उनकी प्रतिभा में इजाफा हुआ या नहीं ? उनके अंदर अन्य कोई विकार तो घर नहीं कर गया ?

इस लेख से मेरा मकसद है कि देश केसभी युवाओं को वांछित शिक्षा और उद्यम के समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षण संस्थानों में किसी भी छात्र को प्रवेश से वंचित न किया जाय भले ही सीटें व् अन्य संसाधन बढ़ाने पड़े। अभी ईरान से भारत के छात्रों को लेकर तीन हवाई ट्रिप दिल्ली आ चुकी हैं. लेकिन सरकार फिर भी शर्मिंदा नहीं ? कि भारत यूक्रैन, ईरान ,पोलैंड सरीखे देशों से भी शिक्षा में पिछड़ा है। फिर हम किस आधार पर विकसित और चौथी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था की डींग मारते हैं ?. प्रतीत होता है हमारी सोच और विवेक किसी ने गिरवी रख लिया है ? यदि ऐसा है तो फिर सरकार भेड़ों के रेवड़ों को चरा रही है। इससे अधिक कुछ नहीं।

देश के प्रधान मंत्री वर्तमान आरक्षण को कभी समाप्त नहीं करने के घोषणा पहले ही कर चुके हैं लेकिन शेष युवा और वे जो येन केन विदेश जाकर शिक्षा लेना चाहते हैं ,के लिएप्रधान मंत्री और उनकी सरकार के पास कोईयोजना है ?हो तो उजागर करें। शेष आधी युवा पीढ़ी वर्ष दर वर्ष अपनी प्रतिभा कुंठित कर अपराध जगत की राह पकड़ने में संकोच नही करेगी ? मध्यप्रदेश के बीहड़ों में पनपे डाकुओं का भी इतहास भी ऐसा ही है परतु अब कोई विनोबाभावे सरीखे व्यक्ति मिलने वाले नही। मार्गदर्शक जयप्रकाश बाबू जैसे भी अब नही मिलते।

वांछित पढ़ाने वाले की जगह ठेके परअनुभवहीन इस कार्य के लिए उच्च शिक्षा में नियुक्त कर लिए जाते हैं। खाली पदों को सचिव लोग भरने नहीं देते और किसी प्रकार साक्षात्कार तक प्रक्रिया पहुँच भी जाय तो अपने ही किसी सेकोर्ट से स्टे करवा देते हैं इससे जो अनुभवहीन पढ़ा रहे हैं वे जॉब में चलते रहते हैं। यह खेल है जो उच्च शिक्षण संस्थानों में कभी देखने को मिल जाता है। उच्च शिक्षा के इस खेल को आम आदमी समझ नहीं सकता।

मुख्य प्रश्न है कि रिक्त पद तुरंत क्यों नहीं भरे जाते ? इसलिए कि इसमें सबकी मिली भगत है और फायदा भी सब का छात्रों के अतिरिक्त।

अंत में मैं अनुसंशा करता हूँ कि किसी भी युवा छात्र यदि वह वांछित योग्यता रखता है उसे किसी भी उपयुक्त विषय और महाविद्यालय में प्रवेश बिना किसी सीमा निर्धारण के दिया जाय ,यह उसका अधिकार है और उसे मिलना ही चाहिए भले ही आगे परीक्षा में वह असफल हो जाय। प्रवेश परीक्षाओं पर प्रतिबन्ध लगा कर उनेह अमान्य घोषित किया जाय। अन्य देशों में देश का कोई युवा पढ़ने के लिए जाने कोविवश न हो।देश की आज़ादी पर यह कलंक है।

इस संधर्व में देहली स्तिथ भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद जो देश में कृषि अनुसन्धान और उच्च शिक्षा को विभिन्न प्रकार से सपोर्ट और मार्गदर्शन करती है के कलापों पर भी दृष्टि डालना जरुरी है। यह परिषद् मूलत: कृषि अनुसन्धान के लिये बनी थी कालान्तर में इसने शिक्षा और प्रसार कार्यक्रमों को भी अपने परिधि में समेट लिया। फलस्वरूप विश्वविद्यालय उदासीन हो गए और उनकी अकादमिक कौंसिल पोस्ट ठोजुएट कौंसिल ,कोर्स समिति आदि सभी एक्ट प्रदत्त प्रावधान निष्क्रिय हो गए।

परिषद् ने कृषि संकाय के सभी विषयों पर विस्तृत विवरण तैयार कर नेट पर अपलोड करवा दिया।सुविधा तो अच्छी थी लेकिन प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों से सम्बंधित प्रबंधकों ने अनुचित लाभ उठाया। यह सुविधा परिषद् ने केवल गाइडेंस के लिए दी थी परन्तु इसका प्रभाव यह पढ़ा कि छात्रों ने लाइब्रेरी को तिलांजलि दे दी ,टीचर्स ने भी उसे आधार मानकर सम्बंधित विषय वस्तु कक्षा में छात्रों को परोसना शुरू कर दिया यह देख छात्रों ने कक्षाओं में केवल हाज़िरी के लिए जाना ही जरुरी समझा कियोंकि विषय के विस्तृत नोट्स अब उनेह नेट पर पढ़ने को मिल रहे हैं। अंततोगत्वा पढ़ाने वाले टीचर्स की कमी भी अब कोई मायने नहीं रखती।

लोकलाज बचाने के लिए महाविद्यालय ठेके पर विचरण करते बेरोजगारों को निमंत्रित कर उनेह मज़दूरी पर कक्षा की पढ़ाई की औपचारिकता सौंप देते हैं। इस प्रणाली से सरकार का अपार धन वर्षों से बच रहा है। प्रैक्टिकल के नाम पर नाम के लिए कोई एक दो परिक्षण लैब असिस्टेंट अथवा टेक्निकल सहायक करवा देता है।महाविद्यालयों और अधिस्नातक टीचर्स जो विषय पढ़ाते हैं वे किसी भी मान्य समिति से प्रमाणमित नहीं होते।

यह प्रदेश सरकारों की कितनी उत्तम रिति है।पाठकों को बता दें कि कॉलेजो में दैनिक मज़दूरी पर जो टीचर्स पढ़ाते हैं वे किसी भी समिति से प्रमाणित नहीं होते। मैं एक प्रोफेशनल और लेखक की हैसियत से दावे से कहता हूँ कि स्नातक डेरी के छात्र बारहवीं कृषि में कराये प्रैक्टिकल भी ठीक से नहीं कर सकते। ऐसी कृषि शिक्षा भविष्य में देश का क्या उत्थान करेगी और कृषि उन्नयन में कैसे भागीदार बनेगी ?यह अभी सोचने का विषय है कियोंकि लगभग 20 वर्ष का काल बीत गया इस स्तिथि में। समझ नहीं आता भविष्य की नीव हम कैसी निर्माण कर रहे हैं ?

अतिथी संपादक
प्रो. वीर बहादुर सिंह ,
पूर्व कुलपति व् अधिष्ठाता ,
महाराणा प्रताप कृषि
एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

क्या शिक्षकों के चेहरे बदल गए हैं ?

शिक्षकों की स्थिति और चुनौतियां, शिक्षक अक्सर कई चुनौतियों का सामना करते हैं

अशोक कुमार

वर्तमान में शिक्षकों की भूमिका और उनका प्रशासन के प्रति रवैया एक जटिल विषय है, जिस पर अलग-अलग राय हो सकती है। यह कहना कि "शिक्षकों के चेहरे बदल गए हैं" और वे "केवल प्रशासन के गुणगान गाते रहते हैं" एक सामान्यीकरण हो सकता है, क्योंकि शिक्षकों के विचार और व्यवहार विभिन्न कारकों पर निर्भर करते हैं।

शिक्षकों की स्थिति और चुनौतियाँ

शिक्षक अक्सर कई चुनौतियों का सामना करते हैं, जिनमें शामिल हैं:

सेवा शर्तें और वेतन: कई शिक्षकों को लगता है कि उन्हें पर्याप्त वेतन नहीं मिलता और उनकी सेवा शर्तें भी संतोषजनक नहीं हैं, जिससे उनके मनोबल पर असर पड़ता है।

प्रशासनिक दबाव: स्कूलों और शिक्षा विभागों से आने वाले प्रशासनिक दबाव के कारण शिक्षकों को अक्सर पाठ्यक्रम पूरा करने और अन्य गैर-शैक्षिणक कार्यों में लगाया जाता है।

राजनीतिक हस्तक्षेप: शिक्षा क्षेत्र में राजनीतिक हस्तक्षेप एक बड़ी चुनौती है, जिससे शिक्षकों की स्वायत्तता प्रभावित होती है।

कार्यभार: शिक्षकों पर शैक्षिणक और गैर-शैक्षिणक कार्यों का बोझ अक्सर अधिक होता है, जिससे उन्हें अपनी राय व्यक्त करने का समय नहीं मिलता।

विरोध या पक्ष न रखने के कारण

शिक्षक अगर किसी नीति की बुराई या विरोध नहीं करते या अपना पक्ष नहीं रखते, तो इसके कई कारण हो सकते हैं:

डर और असुरक्षा: शिक्षकों को अक्सर यह डर होता है कि अगर वे प्रशासन के खिलाफ बोलेंगे तो उन्हें प्रतिशोध का सामना करना पड़ सकता है, जैसे स्थानांतरण, पदोन्नित में बाधा या अन्य दंड।

पदानुक्रमित ढाँचा: भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक स्पष्ट पदानुक्रम है, जहाँ शिक्षकों को अक्सर उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन करना होता है।

संघों की भूमिका: शिक्षक संघों की भूमिका कमजोर होने से भी शिक्षकों को अपनी बात रखने में मुश्किलें आती हैं। कुछ संघ शायद अपने सदस्यों के हितों की रक्षा करने में उतने प्रभावी न हों।

नीतियों का अनुपालन: कई बार शिक्षक सिर्फ नीतियों का अनुपालन करते हैं, भले ही वे उनसे सहमत न हों, ताकि वे विवादों से बच सकें और अपनी नौकरी सुरक्षित रख सकें।

क्या सभी शिक्षक ऐसे हैं?

यह कहना गलत होगा कि सभी शिक्षक केवल प्रशासन के गुणगान गाते हैं। आज भी कई शिक्षक ऐसे हैं जो शिक्षा के स्तर को सुधारने और छात्रों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे अपनी बात रखने के लिए विभिन्न मंचों का उपयोग करते हैं, जैसे: शिक्षक संघों के माध्यम से: कुछ शिक्षक संघ आज भी सक्रिय हैं और शिक्षकों के अधिकारों और नीतियों में सुधार के लिए आवाज उठाते हैं।

अकादमिक मंचों पर: शिक्षक अक्सर सेमिनारों, सम्मेलनों और अकादमिक मंचों पर अपनी राय व्यक्त करते हैं।

सोशल मीडिया: कुछ शिक्षक सोशल मीडिया के माध्यम से भी शिक्षा नीतियों पर अपनी राय रखते हैं, हालांकि इसमें जोखिम हो सकता है।

यह सच है कि कुछ कारक उन्हें अपनी राय खुलकर व्यक्त करने से रोकते हैं। एक स्वस्थ शिक्षा प्रणाली के लिए शिक्षकों को अपनी बात रखने और रचनात्मक आलोचना करने का अधिकार मिलना चाहिए।

अशोक कुमार
पूर्व कुलपति कानपुर ,
गोरखपुर विश्वविद्यालय ,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविरों में जनसमस्याओं का समाधान

भींचावा, काशीनगर ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित

मकराना, (निस) उपखंड की जाखली, भींचावा और काशीनगर ठााम पंचायतों में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविरों का आयोजन किया गया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 24 जून से 9 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न विभागों की योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

जाखली शिविर का निरीक्षण करने के लिए डीडवाना-कुचामन के जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खडग़ावत ने औचक निरीक्षण किया, उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविरों में राजस्व विभाग द्वारा लंबित नोटिसों की तामील, पत्थरगढ्ढी, सीमाज्ञान और नामांतरण से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वन विभाग ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधों का वितरण किया तथा पौधारोपण करवाया। खाद्य विभाग ने एनएफएसए के तहत लंबित प्रकरणों का समाधान किया, वहीं आधार सीडिंग, ई-केवाईसी और नवीन पात्र परिवारों को योजना से जोड़ा गया। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय परिसरों की सफाई, अनुपयोगी व जर्जर सामठाी के निष्पादन, प्रवेशोत्सव का आयोजन, स्कूलों का क्रमोन्नयन, नए संकायों की शुरुआत तथा स्कूटी वितरण जैसी गतिविधियां संचालित की गईं। ऊर्जा विभाग ने झूलते बिजली के तारों को व्यवस्थित किया और तारों के संपर्क में आने वाले पेड़ों की छंटाई की। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल संसाधन विभाग ने लंबित जल कनेक्शन जारी किए, टंकियों की सफाई करवाई।

सीएम ने गणेशाराम को इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल सौंपी

जोधपुर । किसी भी सरकार के सुशासन और नैतिकता का सबसे बड़ा पैमाना यह है कि वह सबसे पिछड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए क्या कर रही है। राजस्थान सरकार ने लगभग पिछले डेढ़ वर्ष में इस दिशा में अनेक प्रतिमान गढे हैं और इसकी ताजा कड़ी है पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा। इस पखवाड़े के तहत जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत दईजर (पंचायत समिति केरू) में गुरूवार को आयोजित जनकल्याण शिविर में एक अनमोल क्षण तब देखने को मिला जब देसुरिया करवड निवासी गणेशाराम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कर-कमलों से इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल प्राप्त हुई। गणेशाराम सुचेता कृपलानी महाविद्यालय में बी.ए. तृतीय वर्ष का विद्यार्थी है, दोनों पैरों से दिव्यांग है। कॉलेज उसके गांव से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्मे गणेशाराम के पिता वृद्ध हैं और परिवार की आजीविका का कोई स्थायी स्त्रोत नहीं है। कॉलेज जाने के लिए उसे अब तक कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदान की गई इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की संयुक्त सहायता योजना के अंतर्गत दी गई है जिससे गणेशाराम के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। साइकिल प्राप्त करते हुए गणेशाराम की आँखों में जो चमक थी, उसने बता दिया कि यह सहायता उसके लिए केवल एक वाहन नहीं, बल्कि स्वावलंबन की सवारी है । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा, सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति अपनी अक्षमता या संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए हम अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गणेशाराम ने बताया, अब मुझे कॉलेज जाने में परेशानी नहीं होगी। मैं समय पर पहुंच सकूंगा, खुद अपने काम भी कर सकूंगा। मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझ जैसे गरीब और दिव्यांग छात्र के सपनों को उड़ान दी है। दईजर शिविर में इस तरह के कई संवेदनशील और जनकल्याणकारी क्षण देखने को मिले। गणेशाराम की मुस्कान ने यह सिद्ध कर दिया कि सरकार की योजनाएं जब सही हाथों तक पहुंचती हैं, तो वे सिर्फ लाभ नहीं, भविष्य गढ़ती हैं।

डॉ. मुखर्जी को राष्ट्रवाद की प्रतिबद्धता ने कांग्रेस पार्टी से अलग किया : मदन राठौड़

डीडवाना में आपातकाल की 50वीं बरसी व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इतिहास गवाह है आपातकाल लागू कर कांग्रेस पार्टी ने संविधान और जनता के अधिकारों को कुचलने का कृत्य किया :मदन राठौड़

जयपुर/डीडवाना, । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को डीडवाना में आपातकाल की 50वीं बरसी और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन एवं देशहित में किए गए उनके संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि डॉ मुखर्जी असाधारण प्रतिभा, अद्धितीय मेधा के धनी थे। महज 32 वर्ष की आयु में वे कोलकाता विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर बने। 1935 में वे विधायक बने और 1936 में बंग-भंग आंदोलन के विरोध में उन्होंने विधायकी से इस्तीफा दे दिया। उस समय बंगाल में हिंदुओं को उनके घरों से निकाल कर जबरन कब्जा किया गया, जिसका उन्होंने तीव्र विरोध किया। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें कांग्रेस पार्टी से अलग ले गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने दो विधान, दो प्रधान और दो निशान के खिलाफ आवाज उठाई और नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया। डॉ. मुखर्जी ने सत्य और राष्ट्रिहत के लिए मंत्री पद त्याग किया। उन्होंने बताया कि मुखर्जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर जनसंघ की स्थापना की थी। पहले ही चुनाव में पार्टी ने 3 सांसद और 23 विधायक जीतकर राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। एक देश, एक विधान की भावना को लेकर वे मई 1953 को बिना परमिट कश्मीर गए, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। राठौड़ ने आरोप लगाया कि उस समय की कांठोस सरकार ने इस संदिग्ध मृत्यु की जांच तक नहीं करवाई। उन्होंने कहा कि देश का विभाजन केवल ब्रिटिश नीति का परिणाम नहीं था, बल्कि तत्कालीन कांठोस नेतृत्व, विशेष रूप से जवाहरलाल नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की लालसा का भी नतीजा था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आपातकाल को लोकतंत्र और संविधान की हत्या का दिन बताया। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को लागू की गई इमरजेंसी कांठोस द्वारा सत्ता की लालसा में की गई तानाशाही का प्रतीक थी। उन्होंने कहा कि उस दौरान लाखों लोगों को रातों-रात गिरफ्तार किया गया, प्रेस पर सेंसरशिप थोप दी गई, न्यायपालिका को कमजोर किया गया और लोगों की संपत्तियों तक पर मनमर्जी से कब्जा किया गया। राठौड ने 6 अगस्त 1975 को लाए गए उस कानून का उल्लेख किया, जिसके तहत आपातकाल के खिलाफ कोई अपील तक नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि आज कांठोस 'संविधान बचाओ यात्रा' निकाल रही है, जबकि इतिहास गवाह है कि इसी पार्टी ने संविधान और जनता के अधिकारों की सबसे बड़ी हत्या की थी। कार्यक्रम में राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से आ ान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के बलिदान और आपातकाल के अत्याचारों को जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां सच्चे इतिहास से परिचित रह सकें। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, मान सिंह जी किंसरिया, अशोक सैनी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इससे पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का नावां, मकराना, डीडवाना सहित कई स्थानों पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत-संत्कार किया।

राशिफल शनिवार 28 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ मास शुक्ल पक्ष,तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2082, पुष्प नक्षत्र प्रात: 6.36 तक, हर्षण योग सायं 7.15 तक, गरकरण करण दिन 9.54 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा। आज रवियोग प्रात 6।36 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 9.34 से आरम्भ होगी। आज विनायक चतुरथी है।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग प्रात: 7.22 तक है। राजयोग प्रात: 7.22 से सूर्योदय तक है। आज रथ यात्रा उत्सव, मेला आषाढी दशहरा श्रीजगदीश जी रथयात्रा जगन्नाथपुरी है। आज मुर्हरम मु.मास 1 हिजरी सन् 1447 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चट सूर्योदय से 7.22 तक, लाभ-अमृत 7.22 से 10.47 तक, शुभ 12.29 से 2.12 तक, चट 5.37 से सूर्यास्त तक

राहूकाल: राहुकाल 9.00 से 10.30 तक सूर्योदय 5.39 सूर्यास्त 7.20

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाऐ बडेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

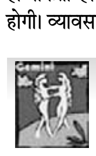

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरी पेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बडेगा।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाऐं बडेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

अर्नगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी।

कन्या

आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक - नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक - आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड सकते है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक-आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

विवादित मामलों में राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आज समय महत्वपूर्ण ओर रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक-आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY UDAIPUR PMU
।। सर्वे भवन्तु सुखिनः ।।
PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY
& PACIFIC UNIVERSITY
PACIFIC UNIVERSITY
सिद्धिर्भवतु मे सर्वदा
12वीं के बाद
कम फीस, कम समय,
100% जॉब गारंटी
Scan me!
पैरामेडिकल कोर्सेज
Scan me!
अन्य कोर्सेज
देश-विदेश में रोजगार के अवसर के लिए चुने,
निम्न कोर्सेस और अपने सुनहरे भविष्य की शुरुआत करें!
पैरा मेडिकल
सम्पूर्ण फीस | समय अवधि
70,000/- | 2 साल
रोजगार अवसर
लैब टेक्नीशियन, कैथलैब टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, ओटी टेक्नीशियन आदि
संपर्क करें : 95878 94326
होटल मैनेजमेंट
सम्पूर्ण फीस | समय अवधि
2,31,000/- | 3 साल
रोजगार अवसर
होटल मैनेजर, फ्रंट ऑफिस एग्जीक्यूटिव, शेफ, रेस्टोरेंट मैनेजर, केटरिंग इंचार्ज आदि
संपर्क करें : 96729 70940
फायर सेफ्टी
सम्पूर्ण फीस | समय अवधि
50,000/- | 1 साल
रोजगार अवसर
फायर सेफ्टी ऑफिसर,फायरमैन, फायर इंस्पेक्टर सेफ्टी सुपरवाइज़र, रेस्क्यू ऑपरेटर आदि
संपर्क करें : 96729 70940
फैशन डिज़ाइन
सम्पूर्ण फीस | समय अवधि
60,000/- | 1 साल
रोजगार अवसर
फैशन डिज़ाइनर, टेलर, बुटीक ओनर, स्टाइलिस्ट टेक्सटाइल डिज़ाइनर, फैशन कंसल्टेंट आदि
संपर्क करें : 76650 17785
पेसिफिक प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विश्वविद्यालय से कोर्स कर चुके विद्यार्थियों को प्रमुख और उच्च स्तरीय संस्थानों में प्लेसमेंट की उत्कृष्ट सुविधा
Chintan Joshi, Cath Lab Technician, PMCH, UDAIPUR, CTC - 30 LAC
Anup Kumar Srivastava, Senior Endoscopy Technician, PMCH, UDAIPUR, CTC - 10.80 LAC
Gafoor Mughal, Hotel Boise By Wyndham, United States of America, CTC - 40 LAC
Kuldeep Singh Rathore, Hotel Pagus, Croatia, CTC - 40 LAC
Suman Thakur, Sandvik Mining & Rock Technology, CTC - 11 LAC
Ramu Kumar, Praj Industry Ltd, CTC - 6 LAC
Ar. Priyanka Kothari, Architect, CTC - 12 LAC
Dr.Bhavana Mehta, Design Practice Department Head, CTC - 12 LAC
Bhupendra Audichya, CT/MRI Technician, PMCH, UDAIPUR, CTC - 10.50 LAC
Sayan Dey, ECG, ECHO, PMCH, UDAIPUR, CTC - 8.50 LAC
Pradeep Singh, Bollywood Restaurant, New Zealand, CTC - 30 LAC
Nehal Singh, Hotel Britomart, New Zealand, CTC - 24 LAC
Sanjay Singh, India Cement, Banswara, CTC - 3.60 LAC
Bhoma Ram, India Cement, Banswara, CTC - 3.60 LAC
Samiksha Sharma, Empanelment Designer, Fashion Design Boutique, CTC - 8 LAC
Vikalp Tailang, Interior Designer, CTC - 10 LAC
Suraj Kumar, ENT Audiologist & Speech Therapist, PMCH, UDAIPUR, CTC - 4.88 LAC
Matadeen Mandekiya, Dialysis Technician, PMCH, UDAIPUR, CTC - 4.56 LAC
Chinmay Joshi, EKA Software Solutions, Bangalore, CTC - 8.5 LAC
Ayush Rathore, Skechers South Asia, Pacific Store Manager, Udaipur, CTC - 5 LAC
Prakash Meena, Rajasthan Fire Service, CTC - 3.50 LAC
Kamlesh, Rajasthan Fire Service, CTC - 3.50 LAC
PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY & PACIFIC UNIVERSITY
www.pacificmedicaluniversity.ac.in
admissions@pacificmedicaluniversity.ac.in
www.pacific-university.ac.in
info@pacific-university.ac.in
Bhilo Ka Bedla, NH-27, Pratap Pura, Amberi, Udaipur, Rajasthan-313011. | Pacific Hills, Pratap Nagar Extn., Airport Road, Udaipur-313024 (Raj.)

घर में हाई वोल्टेज करंट दौड़ने से हुआ हादसा, एक व्यक्ति सहित 16 मवेशी मरे

घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

घटना से नाराज़ ग्रामीणों ने विद्युत निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन व धरना शुरू कर दिया।

- गांव में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने से आस पास के घरों में दौड़ा विद्युत करंट से आग लगी
- दोषी कार्मिकों पर कार्रवाई व पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग

पावटा। विराटनगर के ठाम पंचायत पूरावाला के छिंड गांव में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे अचानक विद्युत ट्रांसफार्मर के फाल्ट होने से हाई वोल्टेज करंट दौड़ने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

वही हादसे की चपेट में आने से अन्य ग्रामीणों की एक गाय व 15 बकरियों की भी मौत हो गई। जबकि कई विद्युत उपकरण भी जल गए। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। घटना से नाराज़ ग्रामीणों ने विद्युत निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन व धरना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांव में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने से उसमें आग लग गई और आस पास के घरों में विद्युत करंट दौड़ गया। इस दौरान राकेश गुर्जर पर अचानक हाई वोल्टेज करंट का झटका लगा, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हरसहाय गुर्जर के घर में करंट फैलने से उसकी एक गाय व 15 बकरियों की भी मौत हो गई। इसके अलावा आसपास के कई घरों में बिजली के उपकरण जलकर जल गए। मृतक का शव सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। इस दौरान विद्युत निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

ग्रामीणों ने विद्युत निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की और विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि पूर्व में भी विद्युत फाल्ट के बारे में विद्युत निगम के अधिकारियों को अवगत कराया गया था। लेकिन अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक कुलदीप धनकड, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान, डीवाईएसपी शिप्रा राजावत, तहसीलदार लालाराम यादव, व बिजली विभाग एस सी मनोज गुप्ता, एक्सईएन कोटपुतली राजीव वीराना, विराटनगर एईएन कपिल शर्मा सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा प्रवेश

- महात्मा-गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में अब पूरे साल होंगे एडमिशन

बीकानेर। प्रदेश के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एडमिशन के लिए अब लॉटरी की जरूरत नहीं होगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने आदेश जारी कर हिंदी माध्यम स्कूलों की तरह इन स्कूलों में भी पूरे साल एडमिशन की अनुमति दे दी है। लॉटरी के बाद रिक्त रहने वाली सीटों पर पूरे सत्र में कभी भी आवेदन किया जा सकता है।

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को हिंदी माध्यम स्कूलों की अंतिम तिथि तक ही प्रवेश दिया जाएगा। निदेशालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इन स्कूलों में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। इस दौरान प्रदेशभर में सीट से ही कम आवेदन मिले। इस वर्ष 3,737 विद्यालयों ने लॉटरी प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें 50,657 आवेदनकर्ताओं द्वारा 78,205 स्कूल चॉइस भरी गई। लॉटरी के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को 25 जून तक अपनी ऑनलाइन रिपोर्टिंग पूरी करनी थी। रिपोर्टिंग केवल एक ही चयनित स्कूल में मान्य थी। छह जुलाई के बाद रिक्त रहने वाली सीटों पर 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर एडमिशन की व्यवस्था कर दी गई है।

सेना के भगोड़े क्लर्क ने 48 जवानों को लोन पर सब्सिडी का झांसा दे 5 करोड़ रुपए हड़पे

- सेना के भगोड़े क्लर्क ने खुद को आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड का कैप्टन बताकर देश के अलग-अलग राज्यों के 48 जवानों को बैंकों से लोन दिलाकर 60-70 प्रतिशत सब्सिडी का झांसा दिया और 5 करोड़ रुपए हड़प लिए।

बीकानेर। सेना के भगोड़े क्लर्क ने खुद को आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड का कैप्टन बताकर देश के अलग-अलग राज्यों के 48 जवानों को बैंकों से लोन दिलाकर 60-70 प्रतिशत सब्सिडी का झांसा दिया और 5 करोड़ रुपए हड़प लिए। बीकानेर आर्मी में पोस्टेड दो जवान भी इसके जाल में फंस गए।

हिमाचल प्रदेश में मंडी निवासी 24 वर्षीय युवक सागर गुलेरिया आर्मी में क्लर्क था, जिसकी पोस्टिंग असम, जोधपुर, पश्चिम बंगाल, दिल्ली में रही। अपनी पोस्टिंग के दौरान सागर ने खुद को आर्मी ठुंप इंश्योरेंस फंड का कैप्टन बता जवानों को बैंकों से लोन दिलाने और उस पर एजीआईएफ से 60-79 प्रतिशत सब्सिडी दिलाने का झांसा देने लगा। इसके लिए उसने राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में सेना के जवानों से संपर्क किया और उन्हें अपने जाल में फांस लोन दिलाने के लिए कागजात हासिल कर लिए।

करीब 48 जवानों को पीएनबी, एसबीआई सहित अन्य बैंकों से 5 करोड़ रुपए का लोन दिलाया। जवानों को एजीआईएफ से सब्सिडी दिलाने के नाम पर उनसे ओटीपी और बैंक आईडी-पासवर्ड लेकर लोन के रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। जवानों से फोन पर बात कर उन्हें बहलाता रहा और बाद में व्हाट्सएप कॉल पर बात करने लगा। उसकी संदिग्ध हरकतों से जवानों को शक हुआ और उन्होंने लोन की रकम मांगनी शुरू की तो टालमटोल करने लगा और फिर फोन स्विच ऑफ कर फरार हो गया। उसकी पोस्टिंग जोधपुर में थी जहां से अगस्त, 24 में गैरहाजिर (अब्सेंट विदआउट लीव) होकर भगोड़ा माना गया।

बीकानेर में आर्मी के जवान पंजाब में होशियारपुर निवासी मोहित कुमार और उसका दोस्त मृण्मय पांडा भी सागर गुलेरिया के झांसा में आ गए। दोनों को 14-14 लाख रुपए का लोन दिलाया गया, जिनकी राशि उनके खाते में पहुंची। लेकिन, सागर ने सब्सिडी दिलाने के लिए रकम अपने खातों में डलवा ली और डकार गया।

सदर पुलिस थाने में इसका मुकदमा दर्ज हुआ तो पुलिस ने छानबीन शुरू की और जवानों से ठगी का खेल उजागर हो गया। सागर के खिलाफ हरियाणा के पंचकूला में चंडी मंदिर थाने में रकम हड़पने का मुकदमा दर्ज हुआ, जिसमें उसकी गिरफ्तारी के बाद जेल जेल भेज दिया गया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में विविध सामग्री की आपूर्ति की वार्षिक दर संविदा जिसका यूबीएन GSU2526GLRC00026 है, जारी की गई है। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/5178 — वित नियंत्रक

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 774-83 — Date: 16-6.25

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 01/2025-26) for Consultancy Work "Renewal of Roads & Construction of CD Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 01.07.2025. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 78.05 lacs.

UBN No. PWD2526A1368

1. PWD2526WSOB04810, 2. PWD2526WSOB04811, 3. PWD2526WSOB04812

(Chandra Prakash)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun

DIPR/C/8311/2025

अवैध पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन देने आया एजेंट धरा

बीकानेर। पीसीपीएनडीटी के एक डिकॉय ऑपरेशन में अवैध रूप से पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। बीकानेर की टीम ने पीबीआई थाने की मदद से एक एजेंट को जयपुर में दबोचा। उसके पास से चीन निर्मित उच्च क्वालिटी की पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बरामद की गई है, जो वह 6 लाख रुपए में बेचने के लिए लाया था।

पीसीपीएनडीटी के बीकानेर शहर प्रभारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी और प्रभारी महेंद्र सिंह चारण ने इंटरनेट पर सर्च करके इस गिरोह से संपर्क साधा था। सोनोग्राफी मशीन के जानकार एक डॉक्टर को बोगस ग्राहक बनाया गया। गिरोह के एजेंट पश्चिम बंगाल के हुगली निवासी 45 वर्षीय अमिताभ भादुरी से फर्जी तरीके से सोनोग्राफी मशीन खरीदने की डील 6 लाख में की। इस डील में दो महीने लग गए। जब यह पुख्ता हो गया कि वह 25 जून को जयपुर में डिलीवरी देगा तब उन्होंने इसकी सूचना एनएचएम निदेशक डॉ. अमित यादव और पीबीआई थाने के एएसपी हेमंत जाखड़ को दी।

अमिताभ 24 जून की शाम को ही ट्रेन से जयपुर आ गया। उसने बोगस ग्राहक को सूचना दे दी। वह रात रेलवे स्टेशन पर ही सोया। बुधवार को ग्राहक ने उसे सेंट्रल पार्क में बुलाया, जहां बीकानेर टीम ने एएसपी जाखड़ की मदद से भादुरी को पकड़ लिया। डॉ. चौधरी ने बताया कि मशीन हाईटेक है। रिजल्ट भी काफी अच्छे हैं, लेकिन देश में अवैध रूप से बेची जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि इस कार्य में अंतर्राष्ट्रीय गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह केरल और मणिपुर में भी मशीनें बेच चुका है। जयपुर पहुंचने के बाद भादुरी ने वॉट्सएप पर पश्चिम बंगाल में अपने बॉस को वॉयस मैसेज भी किया था।

एजेंट के पास मशीन को भारत लाने और बेचने का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। डॉ. चौधरी ने बताया कि मशीन के लिए लाइसेंस अनिवार्य है। इसे एक ही स्थान पर रखकर सोनोग्राफी की जा सकती है। मशीन की जियो फेंसिंग होती है, जिससे इस पर नजर रखी जाती है। देश में अपंजीकृत पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बैन है, जबकि यह गिरोह इस तरह की मशीन चीन से खरीद कर दूसरे देशों के यातायात संसाधनों के माध्यम से भारत में लाते हैं। इसके बाद भारत के विभिन्न हिस्सों में बेच देते हैं। केवल एक छोटे सूटकेस में रखी जा सकने वाली इस कलर डॉप्लर मशीन के साथ अन्य आवश्यक सामान भी बेचा जा रहा है।

इस घटना के बाद पीबीआई पुलिस गिरोह की तलाश में जुट गई है। भादुरी से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि वह यह मशीन लाइफ प्लस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के डॉ. आदित्य मुरारका से लेकर यहां बेचने आया था। एएसपी ने बताया कि संबंधित थानों और प्रशासन को सूचना दे दी गई है। इस अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के बाकी सदस्यों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। एएसपी डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि जयपुर में हुई इस बड़ी एवं सफल कार्रवाई में बीकानेर टीम की अहम भूमिका रही।

बीकानेर जोन के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी और जिला पीसीपीएनडीटी समन्वयक महेंद्र सिंह चारण ने ऑनलाइन सोनोग्राफी मशीन विक्रेताओं से संपर्क कर कड़ी से कड़ी जोड़ी। भारत में इस तरह की यह पहली कार्रवाई है। पीबीआई थाना के सीआई संतोष कुमार शर्मा एवं पुलिस कार्मिक नरेंद्र कुमार, कैलाश, शानू चौधरी टीम में शामिल रहे। पीबीआई थाने एएसपी हेमंत जाखड़ ने बताया कि एजेंट भादुरी के मोबाइल की जांच की तो पता चला कि जयपुर पहुंचने के बाद उसने पश्चिम बंगाल में बैठे अपने बॉस डॉ. आदित्य मुरारका को वॉयस मैसेज किया कि 'मैं सुरक्षा के मद्देनजर यहीं रुका हूं और कंपनी के पैसे भी बचा रहा हूं।

प्राइवेट लैब पर मरीज का गंभीर आरोप, वायरल ऑडियो से मचा हड़कंप

बालोतरा, (निसं)। शहर में प्राइवेट लैब और सोनोग्राफी केंद्रों की मनमानी पर अब आवाज उठने लगी है। सोशल मीडिया पर एक ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक मरीज लैब संचालक से यह कहते हुए सुना जा सकता है।

आपकी जांच की स्पेशल मशीन है, फिर आप अधिक पैसे क्यों वसूल रहे हो. इस ऑडियो में मरीज सीधे तौर पर लैब पर आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर कर रहा है कि उसे गुमराह कर महंगे दाम वसूले जा रहे हैं, जबकि जांच की क्वालिटी व स्पेशल मशीन को लेकर भी सवाल खडे कर दिए गए हैं।

यह ऑडियो सामने आने के बाद लोगों में रोष है और आमजन अब खुलकर इन लैब संचालकों के खिलाफ बोलने लगे हैं।

मरीजों का कहना है कि पहले से ही इलाज का खर्च आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है, और अब लैब की यह मनमानी आमजन की पीडा को और गहरा कर रही है। इस पूरे मामले में सबसे बडी चुप्पी स्वास्थ्य विभाग की है। न तो किसी प्रकार की नियमित जांच होती है और न ही शुल्क निर्धारण की कोई सख्त निगरानी।

वायरल ऑडियो की सच्चाई सामने लाने के लिए संबंधित लैब की जांच की जाए और अगर मरीज के आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

साथ ही सभी प्राइवेट लैब और सोनोग्राफी केंद्रों की पारदर्शी निगरानी प्रणाली बनाई जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न दोहराई जाए।

बालोतरा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वांकाराम चौधरी ने बताया कि मेरे क्षेत्र में निजी लैब और सोनोग्राफी के नियमन और निगरानी की जिम्मेदारी बाडमेर के सीएमओ के पास आप बाडमेर के सीएमओ से संपर्क कर सकते हैं।

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Veterinary Medicines, consumable surgical items etc हेतु दर संविदा
ई -बोली आमंत्रण सूचना संख्या 02/2025-26 (क्रमांक 51 दिनांक 24.06.2025)

इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ इकाईयों में Veterinary Medicines, consumable surgical items etc हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) में दर संविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आंमत्रित की जाती है, जिसमें पंजीकृत फर्मों हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 25.06.2025 से 05.07.2025 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। UBN VAU2526GLRC00040 का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट httpt//sppp.raj.nic.in विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/5179 — वित नियंत्रक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-636 — दिनांक-19/06/2025

Short Term Notice Inviting Bid : 09/ 2025-26

Bid for the Supply, Fixing & Commisioning Universal Testing Machine [UTM] -1000 KN Capacity at Regional Laboratories in PWD Rajasthan are invited from interested bidders upto 24.06.2025 [09:30 AM] to 01.07.2025 [06:00 PM] & Open date 02.07.2025 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan. gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 144.00 Lakh.

UBN No. PWD2526WSOB05079

Executive Engineer,
PWD Distt. Dn-i, Bikaner

DIPR/C/8565/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड जालोर

क्रमांकः-अअ/जा/2025-26/681 — दिनांक :- 19.06.25

निविदा संशोधन

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा संख्या 04 वर्ष 2025-26 क्रमांक अअ/जा/2025-26/597 दिनांक 04.06.2025 के द्वारा जारी निविदा में किन्ही अपरिहार्य कारणों से निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

क्र. सं.	विवरण	पूर्व मे निर्धारित दिनांक व समय	संशोधित दिनांक व समय
1	निविदा आवेदन डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	20 जून 2025 6.00 बजे तक	27 जून 2025 सायं 6.00 बजे तक
2	निविदा खोलने की दिनांक	23 जून 2025 को प्रातः 10.00 बजे तक	30 जून 2025 को प्रातः 10.00 बजे तक

शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

(आर.के. सिंघाडिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/8627/2025

राजस्थान हाईकोर्ट : पारिवारिक पेंशन से रिकवरी नहीं करने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीपति विनीत माथुर ने एक दीवानी याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार द्वारा पारित पारिवारिक पेंशन से रिकवरी पर रोक लगाने के स्थगन आदेश जारी किए है।

याचिकाकर्ता उमी देवी के अधिवक्ता प्रवीण दयाल दवे ने राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका प्रस्तुत कर बताया कि उमी देवी एक विधवा महिला हैं, जिसके पति बालुराम शिक्षा विभाग में राजकीय कर्मचारी थे। उनका निधन छह अक्टूबर 2007 को हुआ, जिसके पश्चात पत्राचार करने पर उमी देवी को पारिवारिक पेंशन मिलना प्रारम्भ हुई जो दिसम्बर 2023 तक नियमित मिलती रही। दिसम्बर 2023 से पारिवारिक पेंशन मिलना बंद हो गई तब 12 जुलाई 2024 व नौ सितंबर 2024 को पत्र प्रेषित किए।

विभाग द्वारा पत्र प्रेषित कर याचिकाकर्ता को सूचित किया कि प्राप्त आदेशानुसार पेंशन चार अप्रेल 2013 तक स्वीकृत थी लेकिन बैंक से पांच अप्रेल 2013 से नवम्बर 2021 तक ईनहेन्स पेंशन का अधिक भुगतान कर दिया, जो 15 लाख 12 हजार 86 रुपए अधिक होना पाया गया तथा अधिक दी गई पेंशन को अविलम्ब कार्यालय में जमा कराने का आदेश दिया गया। याचिकाकर्ता ने विभाग को पत्र प्रेषित किए, अभ्यावेदन दिए, विधिक नोटिस भेजकर पेंशन शुरू करने की प्रार्थना की लेकिन पेंशन जारी नहीं की गई। अपितु विभाग द्वारा 21 फरवरी 2025 को उमी देवी को पत्र भेजकर कुल 14 लाख 34 हजार 464 रुपए अधिक भुगतान करने व जनवरी 2022 से नवम्बर 2023 तक कुल रिकवरी 3 लाख 59 हजार 200 रुपए कोषालय गामीण जोधपुर से करना बताया तथा बाकी बकाया राशि में पारिवारिक पेंशन में से रिकवरी करने के आदेश प्रदान किए। इसके पश्चात याचिकाकर्ता द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष सम्पूर्ण घटनाक्रम बताते हुए न्दीवानी एकल पीठ याचिका प्रस्तुत की व न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता एक विधवा, बीमार, अनपढ़ महिला है जो पारिवारिक पेंशन पर ही आश्रित हैं।

प्राणघातक हमला करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर। झाड़ोल थाना पुलिस ने घर में घुस कर प्राणघातक हमला करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 14 जून को पीडित मुंशीलाल पुत्र भेरा निवासी चतरपुरा झाड़ोल ने पुलिस थाने में रिपार्ट दी कि 13 जून को रात मे मैं व मेरा भतीजा घर पर थे। जहां खटखट की आवाज होने पर मैंने जाकर किवाड़ खोला तो अचानक देवीलाल पुत्र राजु निमा पुत्र वजु, प्रवीण पुत्र राजु, किशन पुत्र लालू, ईश्वर पुत्र लालु, नरेश पुत्र शांति व अन्य नमाबपोश साथी निवासी चतरपुरा ने कुट, कुल्हाड़ी, चाकु, तलवार, लठ से हमला कर दिया। जिससे मैं व भतीजा गंभीर घायल हो गए। चिल्लाने की आवाज होने पर पकडे जाने के भय से हमलावर फरार हो गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक नेत्रपालसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम मय टीम ने मामले में वांछित प्रवीण कुमार पुत्र राजमल निवासी चतरपुरा झाड़ोल को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर में 24 घंटे में 2 इंच बारिश

डूंगरपुर। डूंगरपुर में रुक-ककर बरसात का दौर जारी है। गुरुवार रात को जिले के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में जिले में 2 इंच बारिश दर्ज की गई है। वेंजा में सबसे अधिक पौने 4 इंच बरसात हुई है। वहीं सागवाडा में भी 4 इंच बरसात हुई है। बारिश की वजह से कई जगहों पर नदी-नालों में पानी की आवक हुई है। वहीं खेत भी पानी से लबालब हो गए हैं। शुक्रवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की बरसात का दौर चल रहा है।

मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को डूंगरपुर जिले में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सुबह दिन खुलने के साथ ही आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे और बारिश से दिन की शुरुआत हुई। सुबह के समय हल्की बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है।

वहीं बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। बारिश के बाद कई जगहों पर खेतों में पानी भर गया है। वहीं वेंजा,सागवाडा और धंबोला क्षेत्र में हुई भारी बारिश से नदी नालों में भी पानी की आवक हुई। बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट के चलते भारी बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। जिले में गुरुवार रात के समय डूंगरपुर शहर सहित सागवाडा, धम्बोला और वेंजा में मूसलाधार बरसात हुई।

सागवाडा में सडकों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। कई खाली जगहों और सडकों पर भी पानी भर गया। गामडी अहाडा क्षेत्र में बारिश के बाद सडकों पर पानी भर गया। जिला कंट्रोल रूम के अनुसार डूंगरपुर जिले में शुक्रवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में वेंजा में सबसे ज्यादा 1०6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

वही सागवाडा में 99 एमएम, धम्बोला में 8० एमएम बारिश हुई है,जबकि आसपुर में 61 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 48 एमएम, डूंगरपुर में 37 एमएम, चिखली में 36 एमएम, दोवडा में 24 एमएम, गलियाकोट में 55 एमएम, गणेशपुर में 44 एमएम, कनबा में 3० एमएम, साबला में 22 एमएम बारिश हुई है। बारिश के बाद अब किसान खेतों में जुट गए हैं। गामडी-अहाडा में पानी की निकासी नहीं,दुकानों में घुसा पानी इसीक्रम में गामडी-अहाडा में गुरुवार शाम हुई बरसात ने दुकानदारों के हालात खराब कर दिए।

तेज बरसात और पानी की निकासी नहीं होने से रातापानी रोड सर्किल से लेकर स्कूल गेट तक की दुकानों में पानी घुस गया। गांव में नाली की निकासी नहीं होने से ये समस्या आ रही है। इस मामले में पूर्व में ग्राम पंचायत को व्यापारियों ने अवगत कराया था। वहीं कुछ दिनों पहले ग्राम पंचायत प्रतिनिधि कलेक्टर से जाकर मिले थे।

थाना-मेवाडा रोड निर्माण के दौरान नालियों को ठीक से नहीं बनाने और बाद में बाजार मार्ग में नाली पूरी तरह अवरुद्ध होने से अब गांव और बाजार का यह भाग व्यापारियों और ग्रामीणों के लिए मानसून में मुश्किलों से भरा हो गया है। 12 साल पहले थाना मेवाडा रोड निर्माण के दौरान नाली निर्माण में तकनीकी नियमों का ध्यान नहीं रखने के कारण भी ये हालात खराब हुए हैं। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा प्लेटफॉर्म के निर्माण से पानी निकासी नहीं हो पा रही है।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारिम शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भ.सं.) पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर
(ई-मेल - zcebz@jvvnl.org फोन नं.-05644-236080)

ई-निविदा सूचना

टी.एन.-37, टी.एन.-38 एवं टी.एन.-39 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन निविदा दो भागों (तकनीकी-वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। टी.एन. - 37:- सहायक अभियन्ता (पवस), जयपुर डिस्कॉम, उच्चैन के अन्तर्गत भरतपुर वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन गहलऊ का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये।

टी.एन. - 38:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, डीग के अन्तर्गत डीग वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन लहरवाडा का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खींचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। टी.एन. - 39:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, डीग के अन्तर्गत डीग वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन बडेसरा मोरोली का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खींचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 27.06.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई - पोर्टल पर दिनांक 21.07.2025 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

(TN-37,UBN : VVN2526WSOB00150) (TN-38, UBN : VVN2526WSOB00151) (TN-39, UBN : VVN2526WSOB00166)

राज.संवाद/सी/25/5187 — जेपीआर - 3019 (2025) — संभागीय मुख्य अभियन्ता (भरतपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

एक करोड़ दस लाख की अवैध स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

करौली पुलिस कि गिरफ्त में अवैध स्मैक के साथ तीन तस्कर।

- ऑपरेशन स्मैक आउट अभियान के तहत करौली पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है।

करौली। करौली जिला पुलिस अधीक्षक बृज ज्योति उपाध्याय के निर्दे'ान मे चलाये जा रहे ऑपरेशन स्मैक आउट अभियान के तहत बड़ी कार्यवाही की है। जिला स्पेशल टीम और कुडगांव थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में 293.09 ग्राम अवैध स्मैक के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी कीमत लगभग 1 करोड़ 10 लाख रुपए आंकी गई है।

करौली एसपी कार्यालय के सभागार हॉल मे प्रेसवार्ता के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम ने खुलासा करते हुए बताया कि स्मैक तस्करो मे घासीलाल पुत्र लक्ष्मीनाायण मीणा 58 निवासी मोतीपुरा थाना हरनावदा शाहजी जिला बारा, कमल मीना पुत्र राजू लाल मीणा 21 निवासी उलीयाना थाना कुडेरा जिला सवाई माधौपुर, विकास पुत्र हरिके'ा मीणा 20 निवासी गुडासी थाना कोतवाली जिला सवाई माधौपुर शामिल हैं। तस्करों से एक बिना नंबर की पावर बाइक, तीन मोबाइल फोन और स्मैक बिक्री के 4 लाख 200 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। उन्होने बताया कि आरोपी बारां से स्मैक खरीदकर सवाई माधोपुर,गंगापुरसिटी,करौली,कुडगांव और सपोटरा क्षेत्रों में सप्लाई करते थे। ये करौली-सवाई माधोपुर सीमा के कच्चे रास्तों का इस्तेमाल करते थे।घासीलाल से 181.71 ग्राम स्मैक और 4 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। कमल मीना से 52.59 ग्राम स्मैक और एक मोबाइल मिला है। विकास से 52.79 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल और बाइक बरामद की गई है। उन्होने बताया कि पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। करौली पुलिस ने गत 1 जनवरी 2025 से अब तक 65 मामले दर्ज कर 131 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 999.885 ग्राम स्मैक,103.843 किलोग्राम गांजा, 20.615 किलोग्राम डोडा पोस्त, 2 लाख से अधिक नशीली गोलियां और 500 अवैध इंजेक्शन जब्त किए गए हैं। कार्यवाही के दौरान कुडगांव थाना टीम में थानाधिकारी चंचल शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक सुमेर सिंह, कॉन्स्टेबल पुरुषोत्तम, मोहन सिंह,नन्दराम, प्रेममोहन, वाहन चालक योगेन्द्र और जिला स्पेशल टीम प्रभारी देवेश जाटव तथा टीम सदस्यः जिलय सिंह, रामदास, कमल सिंह, ललित किशोर, नेमीचंद, आकाश सोलंकी,रवि कुमार मीना, धर्मवीर सिंह, अमीर सिंह, सत्येन्द्र, पालवेन्द्र, पुष्पेन्द्र, हरेन्द्र शामिल है।

फर्जी पट्टे मामले में कार्मिक निलबिंत

जालोर, (कासं)। जालोर नगर परिषद में फर्जी पट्टा जारी करने करने पर प्रशासक व एडीएम राजेश मेवाडा ने गुरुवार देर शाम को परिषद के कार्मिक अनिल कुमार को निलंबित कर दिया।

एडीएम और नगर परिषद (प्रशासक) राजेश मेवाडा ने बताया कि 24 नवम्बर 2024 को नगर परिषद के सभापति गोविंद टांक का कार्यकाल समाप्त हुआ और उसी दिन जालोर एडीएम राजेश मेवाडा ने बतौर प्रशासक कार्यभार संभाला।

तब से अब तक प्रशासक के हस्ताक्षर से ही पट्टे जारी होने थे। गुरुवार शाम को एडीएम व जिला पंजीयन अधिकारी राजेश मेवाडा के द्वारा पंजीयन आय की समीक्षा बैठक में नगर परिषद के द्वारा जारी फजी पट्टों का मामला सामने आया।

Office of The Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.- 830 — Date-20.06.2025

Notice of Inviting Bid

Bid for Rate **Contract of Construction Material Supply under MGNAREGA, Work tenders of various work and Office Tenders** as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office. be

Name of Gram Panchayat	UBIN	Estimate Bid cost
Sangana	ZJR2526GLRC00542	50.00 Lakh
Komta	ZJR2526GLRC00540	100.00 Lakh
Bishangarh	ZJR2526GLRC00543	50.00 Lakh
Toora (Work Tender)	ZJR2526WSOB00544	04.00 Lakh
	ZJR2526WSOB00545	05.00 Lakh
Rate Contract of Panchayat Samiti Office for goods/service		
Work Details	**UBIN**	**Estimate Bid cost**
Stationery Supply	ZJR2526GSRC00529	04.00 Lakh
Food Arrangements	ZJR2526SSRC00525	05.00 Lakh
Photocopy Work	ZJR2526SSRC00526	02.00 Lakh
Computer/printer repair etc	ZJR2526SSRC00527	03.00 Lakh
Tent Arrangements	ZJR2526SSRC00528	08.00 Lakh
Tea Coffee supply arrangement	ZJR2526SSRC00536	02.00 Lakh
Men Power Supply (men with machine, sweeper, helper, driver)	ZJR2526SSRC00537	10.00 Lakh
Hiring Vehicle	ZJR2526SSRC00538	04.00 Lakh
Haddi Nilami Theka	ZJR2526GSRC00539	03.50 Lakh

Block Development Officer
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

युवाओं को अत्याधुनिक प्रशिक्षण देकर रोजगारपरक बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

प्रदेश में निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने के लिए उठाए प्रभावी कदम : मुख्यमंत्री

■ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से बढ़ेगी कृषि उत्पादकता : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को कृषिगत सुधार, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के संबंध में बैठक ली।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हम प्रदेश की आधारभूत संरचना, शिक्षा, कृषि और उद्योग क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए ठोस और दीर्घकालिक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में एआई के उपयोग से किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी, युवा अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगारपरक बनेंगे तथा निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण से प्रदेश में उद्योग के परिदृश्य में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव आएगा।

भजनलाल शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर कृषिगत सुधार, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खेती में एआई को बढ़ावा देने के लिए हमने इस वर्ष के बजट में 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' की स्थापना की घोषणा की है। इसके माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस क्षेत्र की चुनौतियों को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाया जाए, जिससे कृषि में गुणात्मक वृद्धि हो सके तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर भी उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां लागू करना, सिंगल विण्डो प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन जैसे निर्णयों से प्रदेश में निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है।

इसी क्रम में प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025 लागू की गई है। उन्होंने कहा कि बजट वर्ष में 2025-26 में डीएमआईसी (दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर) से लिंक करते हुए लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। जो राज्य की लॉजिस्टिक्स क्षमता को नई ऊंचाइयां देगा।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को 'फ्यूचर रेडी-इंडस्ट्री रेडी' बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को विश्व स्तरीय रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस दौरान राज्य में कृषि के क्षेत्र में एआई आधारित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने, शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक स्किल डवलपमेंट सेंटर तथा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के संबंध में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

देश के प्रतिष्ठित तीन विश्वविद्यालयों से एकसाथ एम.ओ.यू. हस्ताक्षर

पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं देश के तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा, चिकित्सा, योग, आयुर्वेद, कौशल विकास, ज्ञान परम्परा में सहयोग एमओयू साइन किया गया।

जयपुर। पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं देश के तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा, चिकित्सा, योग, आयुर्वेद, कौशल विकास, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग एमओयू साइन किया गया। इस अवसर पर प्रो. इंद्र प्रसाद त्रिपाठी, कुलगुरु, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश, डॉ. संजय तिवारी, कुलगुरु, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग छत्तीसगढ़ एवं प्रो. भरत मिश्रा, कुलगुरु, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्य प्रदेश की उपस्थिति रही। सभी विद्वतजनों ने पतंजलि में हो रहे राष्ट्र निर्माण के कार्यो की प्रशंसा की। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि द्वारा किए जा रहे इतिहास लेखन, वनस्पति शास्त्र लेखन, निदान ग्रन्थ, विश्व भेषज संहिता सहित अन्य शास्त्रों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि ऋषि क्रांति, योग क्रांति तथा शिक्षा क्रांति का यह सफ़र देश के लाखो लोगो को इसी प्रकार लाभान्वित करता रहेगा ऐसा हमे पूर्ण विश्वास है।

मुझे बदनाम करने से तुम्हारा काम बनता है तो चलो एक अहसान और सही: शेखावत

■ अशोक गहलोत ने अपने पुत्र का राजनीतिक करियर बनाने के लिए मेरा नाम संजीवनी सोसाइटी प्रकरण में घसीटा, परंतु बुरी तरह असफल रहे : गजेन्द्र सिंह

जयपुर/जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत अपने पुत्र का राजनीतिक करियर बनाने के लिए संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी प्रकरण में मेरा नाम घसीटकर मुझे कलंकित करने के प्रयास में बुरी तरह असफल रहे हैं। उच्च न्यायालय ने भी मुझे दोषमुक्त माना है। गहलोत स्वयं भली-भांति जानते थे कि मैं निर्दोष हूं। मेरा एकमात्र 'दोष' यह है कि मेरे परिश्रम और जोधपुरवासियों के मुझसे अपार स्नेह से न केवल उनके पुत्र, बल्कि स्वयं उनकी राजनीति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है।

अशोक गहलोत के बयानों पर शेखावत ने कहा, मुझे बदनाम करने से तुम्हारा काम बनता है, तो चलो एक अहसान और सही। उन्होंने कहा कि मैं अशोक गहलोत से आग्रह करता हूं कि वे संजीवनी प्रकरण के पीड़ितों की वेदना का उपयोग अपने राजनीतिक स्वार्थ और पुत्र की देवतुल्य जनता द्वारा रचित पराजय की खीझ निकालने के लिए न करें। इसके बजाय यदि वे सरकार का मुखिया रहते हुए मुझे फंसाने के बजाय ईमानदारी से पीड़ितों को राहत पहुंचाने का प्रयास करते तो पीड़ितों का कुछ भला अवश्य हो सकता था।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने गहलोत पर तंज कसा कि भाजपा की प्रचंड विजय के चलते अपने ही दल में अप्रासंगिक हो जाने के कारण यदि मेरे नाम की माला जलाने से आपका अपनी पार्टी में कुछ भला हो जाए तो इसे भी मैं अपना उन पर एक और अहसान ही मानूंगा।

197 ग्राम ड्रग्स व तस्कर पकड़ा

जयपुर/प्रतापगढ़ /कोटा। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर सेल के अधिकारियों ने प्रतापगढ़ बस स्टैंड, प्रतापगढ़ (राजस्थान) में एक व्यक्ति से 197 ग्राम अवैध एमडी (मेफैड्रोन) बरामद उसे गिरफ्तार किया। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुन्देल ने बताया कि (सीबीएन) को एक विशेष सूचना मिली कि एक व्यक्ति प्रतापगढ़ बस स्टैंड से मंदसौर की ओर अवैध एमडी (मेफैड्रोन) ले जाएगा। इस पर कार्यवाही करने के लिए सीबीएन जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और और रवाना किया गया। टीम ने इस मार्ग पर कड़ी निगरानी रख कर उस व्यक्ति की पहचान कर प्रतापगढ़ बस स्टैंड पर उसे रोककर उसके पास से 197 ग्राम अवैध एमडी (मेफैड्रोन) बरामद की।

विदेश यात्रा और विवाह की 50वी वर्षगांठ पर देवनानी का अभिनंदन

विधायकों और विधानसभा अधिकारियों ने 50 किलो फूलों की माला पहनाकर दी शुभकामनाएं

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा और देवनानी एवं उनकी धर्मपत्नी इंद्रा देवनानी के विवाह की 50वीं वर्षगांठ पर विधायकों और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 50 किलोग्राम फूलों की माला पहनाकर बधाई एवं शुभ कामनाएं दी। शुक्रवार को दिन भर विधानसभा और राजकीय निवास पर देवनानी से मिलने वालों का तांता लगा रहा।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को उनकी धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा देवनानी से लगातार परिवार एवं सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरणा, सहयोग एवं संबल मिल रहा है।

विकास चौधरी, मनीष यादव, नरेंद्र बुडानिया, ताराचंद जैन, रेवतराम राम, विश्वनाथ, दीपचंद खेरिया, जीवतराम, पूसाराम, देवीसिंह शेखावत, उदयलाल डांगी, कैलाशचंद मीणा, चुन्नीलाल, सुभाष मील, धर्मपाल, ललित यादव, श्रीमती सुशीला रामेश्वर डूडी, हंसराज मीणा, शोभा चौहान सहित अनेक विधायको ने देवनानी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सार्वजनिक जीवन की उत्कृष्ठ सेवाओं तथा वैवाहिक जीवन के लिए मंगल कामनाएं दी। इस मौके पर विधायक और विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देवनानी का अभिनन्दन किया और उनके नैतिक मूल्यों, सार्वजनिक जीवन में मर्यादा व दांपत्य जीवन में समर्पण को प्रेरणा स्वरूप स्मरण किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी देवनानी को बधाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के कई मंत्रीगण, विधायकगण, सांसदगण अन्य जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा और उनके विवाह की 50 वीं वर्षगांठ के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। सहकारिता मंत्री गोतम दत्त और प्रतिपक्ष के नेता जूली ने विधान सभा पहुँचकर देवनानी को पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी।

'अपीलीय अधिकारियों को न्यायिक अकादमी में ट्रेनिंग दिलाना सुनिश्चित करें मुख्य सचिव'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खेल सचिव की ओर से अपीलीय अधिकारी के तौर पर सुनवाई के दौरान अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली पर असंतुष्ठता जाहिर की है। अदालत ने कहा कि खेल सचिव को अपीलीय अधिकारी के रूप में कार्य करने का अधिकार दिया है, जबकि वह स्वयं अपील का निर्णय करते समय अपनाई गई प्रक्रिया से अनभिज्ञ थे।

इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि अपीलीय अधिकारी को किसी भी अपील पर निर्णय लेने से पहले कम से कम 5 से 7 दिन के लिए राजस्थान न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण लेना चाहिए। इसके साथ ही यह उन सभी प्रशासनिक अधिकारियों पर लागू होता है, जिन्हें किसी भी कानून के तहत किसी भी अपील पर निर्णय लेने की शक्ति दी गई है। जिससे अपील के निर्णय के दौरान न्याय में चूक ना हो। यह कदम इसकी जरूरी है, क्योंकि जमीनी स्तर पर अधिकारियों और अपीलीय अधिकारियों के पास आम आदमी को न्याय देने के लिए शक्तियां प्राप्त हैं, लेकिन अगर वे गलती करते हैं तो पीड़ित व्यक्ति के आंसू पोंछना बहुत मुश्किल होता है।

जस्टिस अशोक जैन की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत मलिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मामले में अपीलीय अधिकारी का गत 28 अक्टूबर के आदेश को निरस्त करते हुए सभी पक्षों को सुनवाई का मौका देकर तीन माह में नए सिरे से निर्णय करने के लिए मामला अपीलीय अधिकारी के पास भेजा है। वहीं अदालत ने अपीलीय अधिकारियों को किसी भी अपील पर निर्णय लेने से पहले न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण लेना सुनिश्चित करने के लिए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को भेजी है।

याचिका में अधिवक्ता तनय जैन ने याचिकाकर्ता ने स्वयं को टीटी एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने जाने का दावा करते हुए संयुक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां की 23 फरवरी, 2024 की जांच रिपोर्ट को खारिज करने के संबंध में अपीलीय अधिकारी के तौर पर काम कर रहे खेल सचिव के समक्ष अपील दायर की थी। अपीलीय अधिकारी ने बिना कारण बताए और याचिकाकर्ता को सुने बिना अपील को खारिज कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि अपीलीय अधिकारी ने विधि के प्रावधानों की पालना किए बिना केवल मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है। ऐसे में अपीलीय अधिकारी के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने अपीलीय अधिकारियों को न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण दिलाने के संबंध में मुख्य सचिव को दिशा-निर्देश दिए हैं।

अर्द्ध न्यायिक अधिकारी कंप्यूटराइज्ड प्रोफार्मा निर्मित आदेश जारी नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ने जीएसटी से जुडे मामले में कहा है कि अर्द्ध न्यायिक अधिकारी कंप्यूटराइज्ड प्रोफार्मा में निर्मित आदेश जारी नहीं कर सकते और ना ही यह आदेश की श्रेणी में आते हैं। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह निर्देश विष्णु इलेक्ट्रिकल्स की याचिका पर दिया। खंडपीठ ने अपीलेट अथॉरिटी को निर्देश दिया है कि वह दोनों पक्षों को सुनकर मामले का निस्तारण करे।

मामले से जुडे अधिवक्ता डीपी शर्मा ने बताया कि धारा 169 के तहत जीएसटी अफसरों का दायित्व है कि वह आदेश की सूचना संबंधित व्यक्ति को दे। आदेश को पोर्टल पर अपलोड करना सूचित करने की श्रेणी में नहीं आता है।

वहीं अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ऐसी सूचना काल्पनिक मानी जाएगी।

दूसरी ओर अपीलेट अथॉरिटी ने कंप्यूटराइज्ड प्रोफार्मा में ही आदेश दिया है और प्रार्थी को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया है। ऐसे में अपीलेट अथॉरिटी का आदेश निरस्त कर मामले में विधिक प्रावधानों पर नए सिरे से आदेश दिया जाए।

जे.ई.सी.सी. की तर्ज पर जयपुर के विद्याधर नगर में 6318 वर्गमीटर जमीन पर बनेगा कन्वेंशन सेंटर

सांगानेर में 2782 वर्गमीटर जमीन पर विकसित होगी जयपुर की सबसे बड़ी पार्किंग

■ नारायण विहार पुलिस थाने के लिए निजी खातेदारी की नारायण सागर विस्तार योजना में 1469 वर्गगज जमीन आवंटित

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की 212वीं बैठक जेडीए के मंथन सभागार में जेडीए आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न जनहितैषी और विकासात्मक परियोजनाओं के लिए भूमि/भूखंड आवंटन के प्रस्तावों पर चर्चा के बाद मंजूरी दी गई।

ग्राम रागपुरा रूपा (तहसील सांगानेर) में 2782 वर्ग मीटर भूमि को मास्टर प्लान में दर्शित स्पेशल एरिया के तहत पार्किंग के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया। यह निर्णय जयपुर शहर में बढ़ती पार्किंग की समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जेईसीसी की तर्ज पर एम.आई.सी.ई. सेंटर (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसेस, एग्जीबिशन) के निर्माण के लिए विद्याधर नगर योजना के सेक्टर-7 में 6318 वर्ग मीटर भूमि के आवंटन को मंजूरी दी गई।

यह केंद्र जयपुर को एक प्रमुख व्यापार और पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

निजी खातेदारी की आवासीय योजना नारायण सागर विस्तार में सुविधा क्षेत्र की 1669.22 वर्गगज भूमि प्रस्तावित पुलिस थाना नारायण विहार के प्रशासनिक एवं आवासीय भवनों के लिए आवंटन करने का फैसला लिया।

इसी तरह निजी खातेदारी की योजना पर्ल रिंगेलिया के सुविधा क्षेत्र के भूखंड संख्या एफ-1 क्षेत्रफल 3300 वर्ग गज (2759.13 वर्ग मीटर) भूमि का स्कूल निर्माण के लिए आवंटन का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया, जो शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार करेगा।

निजी खातेदारी की योजना पर्ल रिंगेलिया के सुविधा क्षेत्र के भूखंड संख्या एफ-2 क्षेत्रफल 3800 वर्ग गज (3177.18 वर्ग मीटर) का हॉस्पिटल निर्माण के लिए आवंटन का प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया, ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता मिले।

इसी तरह राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविधालय प्रताप नगर, सांगानेर के सामने की तरफ मरीजों के परिजनो के लिए धर्मशाला के लिए भूमि आवंटन का प्रस्ताव भी राज्य सरकार को भिजवाया जायेगा।

ग्रेटर नगर निगम को बायोमेडिकल वेस्टेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए जमवारामगढ़ तहसील के ग्राम लांगडियावास में 4 हैक्टेयर भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी गई, ताकि जयपुर शहर में बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन की हालात सुधारी जा सके।

इसके अलावा जयपुर विकास प्राधिकरण की लालचंदपुरा आवासीय योजना के भूखंड संख्या बी-190, बी-192, बी-194, बी-196, बी-198, बी-199, बी-201, बी-202, बी-214 कुल 9 भूखंड जो खसरा सीमा से प्रभावित हो रहे थे, उनके स्थान पर योजना के रिक्त भूखंडों में लॉटरी से आवंटन करने का निर्णय भी लिया। जेडीए की हीरालाल शास्त्री नगर योजना में सृजित भूखंड संख्या डी-1 से डी-16 का मौके पर 9 मीटर का पहुंच मार्ग निजी खातेदारी की भूमि से प्रभावित होने के कारण, आवंटित भूखंड संख्या डी-3, डी-4, डी-5, डी-6, डी-8, डी-9, डी-12 व डी-16 के स्थान पर विनिमय द्वारा समान क्षेत्रफल के अन्य भूखंड आमजन सूचना प्रकाशन के उपरांत लॉटरी से नियमानुसार आवंटन करने का फैसला लिया।

जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की 212वीं बैठक जेडीए के मंथन सभागार में जेडीए आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार दोपहर को झमाझम बारिश हुई तो देखते ही देखते सड़कों पर पानी भर गया। जयपुर-सीकर मुख्य मार्ग पर ड्रेनेज कार्य अधरझूल में पड़ा होने के कारण यहां सीवरेज का गंदा पानी सड़क पर बहता रहा। इस गंदगी की बदबू के कारण यहां से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। फोटो-राष्ट्रदूत

बजट घोषणा के मुताबिक तीन सैटेलाइट हॉस्पिटल्स को मंजूरी

■ जयपुर में मुरलीपुरा और प्रतापनगर तथा कांकरोली राजसमंद में 50-50 बैड के अस्पताल खुलेंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा बजट वर्ष 2025-26 के दौरान की गई स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी घोषणा के तहत जयपुर जिले के मुरलीपुरा, प्रतापनगर जयपुर और कांकरोली-राजसमंद में 50-50 शैय्याओं वाले तीन नए सेटेलाइट चिकित्सालय स्थापित किए जाएंगे।

इन अस्पतालों के संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों में कुल 101 नवीन पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, टेक्निकल स्टाफ, सफाईकर्मी आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 4 पदों को समाप्त कर तथा 3 पदों को मशीन विद मैन सेवा के माध्यम से संचालित किया जाएगा।इन अस्पतालों में मरीजों को शीघ्र, सुलभ और सशक्त उपचार उपलब्ध कराने हेतु अत्याधुनिक तकनीक व स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, सफाईकर्मियों की नियुक्ति आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जाएगी, जिसमें प्रत्येक अस्पताल में 4 कर्मियों सहित कुल 12 सफाईकर्मी नियोजित होंगे।राज्य सरकार का यह निर्णय ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ा और सराहनीय प्रयास है।

सार-समाचार

फार्मासिस्ट की कमी से रोगी परेशान

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सार्वजनिक महाराणा भूपाल चिकित्सालय में स्थित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में फार्मासिस्ट का पद स्वीकृत नही होने से रोगियों को लम्बी कतार में खडे रह कर परेशानी का सामना करना पड रहा है।जानकारी के अनुसार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (एसएसबी) में कार्डियोलॉजी में 2 डीडीसी संचालित हैं जिसमें से एक डीडीसी 24 घंटे संचालित हो रही है और एक लोकल परचेज डीडीसी भी संचालित है।इन केन्द्रों पर 600 मरीजों का भार है ।सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक महंगे इंजेक्शन के लिए डीडीसी संचालित है साथ ही सेंट्रल हाउस द्वारा संचालित हेपेटाइटिस प्रोग्रामर हेतु 1 फार्मासिस्ट की आवश्यकता है।इन सभी डीडीसी के संचालन करने के लिए इंचार्ज की आवश्यकता है । सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्टोर भी संचालित किया जा रहा है जिसके लिए 5 फार्मासिस्ट की आवश्यकता है । इस प्रकार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल को अच्छे से संचालन के लिए 34 फार्मासिस्ट की आवश्यकता है परन्तु सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में कुल 9 फार्मासिट ठेके के लिए ही अनुमति जयपुर से प्राप्त कर रखी है।वही एमबी हॉस्पिटल से 8 फार्मासिस्ट दिए हुए है। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में 17 फार्मासिस्ट की कमी की वजह से मरीजों को परेशानी का सामना पड रहा है ।

हमला करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर। चौरासी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने युवक को रोककर लट्ठ से हमला किया था। इसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की नियत से जीप चढाने का प्रयास किया था। पुलिस ने चारों आरोपियों पर इनाम भी घोषित किया था। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। चौरासी थानाधिकारी ने बताया कि 27 अप्रैल को शांतिलाल पुत्र महेंद्र रोत मीणा निवासी झोथरी फला पटवार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि 26 अप्रैल को उसका बेटा शंकर रोत बाइक लेकर झोंथरी तीन रास्ता पर सब्जी लेने गया था। वापस लौटते समय दीपक पुत्र थावरा बरांडा कृष्णकांत पुत्र दशरथ बरांडाए सुनील पुत्र दशरथ बरांडा मीणा और फतेहलाल पुत्र दशरथलाल मीणा निवासी बावडी खेडा बाइक लेकर आए। बदमाशों ने उसे रोककर हाथपाई और लट्ठ से मारपीट शुरू कर दी। लोगों के आने पर बदमाश भाग गए। थोडी देर बाद वापस जीप सवार होकर आए। बदमाशों ने उसके बेटे के साथ लट्ठ से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद लोगों के आने पर जान से मारने की नियत से जीप चढाने का प्रयास किया,लेकिन मौके पर लोगों के आने से बदमाश जीप लेकर फरार हो गए। वारदात के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस ने उन पर 5००-5०० रुपए का ईनाम घोषित किया था। पुलिस ने आरोपी कृष्णकांत, फतेहलाल, दीपक और सुनील को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस चारों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

भंडार की शेष रही राशि की हुई गिनती

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 24 जून को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती शुक्रवार को तीसरे चरण में हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि शुक्रवार को हुई भंडार गिनती में 4 करोड़ 55 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती से 12 करोड़ 5 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। इन तीनों चरणों को मिलाकर भंडार से 16 करोड़ 60 लाख 20 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। भंडार की गणना अभी बाकी है एवं सोने चांदी का तोल भी होना बाकी है। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रभा गौतम, बोर्ड सदस्य कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, किशन लाल अहीर, रामलाल गुर्जर, पवन तिवारी, हरिराम गाडरी, मिट्ठू लाल जाट, भादसोड़ा नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, प्रसाशनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत सहित चुनिंदा मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

नाले में अज्ञात युवक का शव मिला

डूंगरपुर। ओडा बड़ा भुवनेश्वर रेलवे पुलिया के पास नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिला। शव दिखने के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। किसी ने शव की पहचान नहीं की। पुलिस ने शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। युवक की उम्र करीब 35 से 40 साल बताई गई है। उसने काली पैंट और टी-शर्ट पहनी थी। बिछीवाड़ा थाना एएसआई शिशुपाल सिंह ने बताया कि ओडा बड़ा पंचायत के प्रशासक हितेश पुत्र रामलाल डामोर ने सूचना दी। हितेश डामोर ने फोन कर बताया कि रेलवे लाइन के पास भुवनेश्वरजी नाना पुलिया से पहले नाली में एक व्यक्ति पड़ा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। नाली से शव को बाहर निकाला गया। युवक की मौत हो चुकी थी।मौके पर मौजूद लोग शव की पहचान नहीं कर सके। पुलिस युवक के हुलिए के आधार पर पहचान की कोशिश कर रही है।

महिला के गले से तोड़ी चेन

डूंगरपुर। बिछीवाडा थाना क्षेत्र के कनबा में एक बुजुर्ग महिला व्यापारी से चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। दुकान पर बैठी महिला के गले से 2 लाख की सोने की चेन तोडकर बदमाश फरार हो गए। वारदात के बाद बदमाश सीसीटीवी में भी कैद हो गए। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। बिछीवाडा थाना पुलिस के अनुसार कनबा निवासी दिलीप जैन ने रिपोर्ट में बताया कि वह दुकान चलाता है, जबकि उसकी मां पुष्पा जैन उसकी दूसरी दुकान पर बैठी हुई थी। गुरुवार शाम के समय एक युवक दुकान पर आया। उस समय बरसात हो रही थी। युवक ने उसकी मां से पीने के लिए पानी मांगा। जिस पर महिला ने पास ही होटल पर जाकर पीने के लिए बोला। युवक होटल पर पानी पीकर वापस दुकान के शटर के पास खडा हो गया। मां ने युवक को वहां से जाने के लिए कहा।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

■ भगवान को 21 बंदूकों की सलामी के साथ आरंभ हुई यात्रा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकली गई। शहर के 400 साल पुराने जगदीश मंदिर से रथयात्रा शुरू हुई । भगवान 80 किलो चांदी से निर्मित रथ में विराजमान किया गया । भगवान को 21 बंदूकों की सलामी दी। परंपरागत वेशभूषा में श्रद्धालुओ ने नंगे पैर रथ खिच कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की ।जयकारो के उद्घोष के साथ निर्धारित मार्गो से गुजरती हुई रथयात्रा देर रात पुनः जगदीश मंदिर पहुँच कर सम्पन्न हुई।

नगर भ्रमण की शुरुआत से पहले भगवान को एक छोटे रथ में विराजमान कर मंदिर के अंदर ही परिक्रमा करवाई गई। इस दौरान मेवाड के पूर्व राज परिवार के सदस्य और नाथद्वारा के विधायक विश्वराज सिंह मेवाड और उनकी पत्नी सांसद महिमा कुमारी भी मौजूद रहे। 80 किलो चांदी से निर्मित राजसी रथ की लंबाई 16 फीट,चौडाई 8 फीट और ऊंचाई 21 फीट है।

भगवान जगन्नाथ स्वामी के साथ माता महालक्ष्मी और दानी रायजी विराजमान हुए।यात्रा में 21 आकर्षक झांकियां शामिल थी । पुरुष भक्त मेवाडी पगडी.धोती और महिलाएं केसरिया साडी में नंगे पैर रथ यात्रा में चले । पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वराज सिंह और लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने भी दर्शन किए। यात्रा मार्ग में रंग, गुलाल और आतिशबाजी पर प्रतिबंध रखा गया है।

प्रसिद्ध जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा से पहले एक आयोजन किया गया । नगर भ्रमण की शुरुआत से पूर्व भगवान को एक छोटे रथ में विराजमान कर मंदिर के अंदर ही परिक्रमा करवाई गई । यह परंपरागत रीति-रिवाज का हिस्सा है,जिसके बाद भगवान बडे रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलें।

प्रसिद्ध जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा से पहले एक आयोजन किया गया । नगर भ्रमण की शुरुआत से पूर्व भगवान को एक छोटे रथ में विराजमान कर मंदिर के अंदर ही परिक्रमा करवाई गई । यह परंपरागत रीति-रिवाज का हिस्सा है,जिसके बाद भगवान बडे रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलें।

रथयात्रा से पहले भक्त भजनों पर झूम उठे। मंदिर परिसर में उमडे श्रद्धालुओं ने भजन.कीर्तन के साथ भगवान की आराधना की।उदयपुर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की रथ परिक्रमा के दौरान मेवाड के पूर्व राज परिवार के सदस्य और नाथद्वारा के विधायक विश्वराज सिंह मेवाड ने दर्शन करने पहुंचे। इस अवसर पर राजसमंद की सांसद महिमा कुमारी भी उपस्थित रहीं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने मंदिर के अंदर भगवान के छोटे रथ की परिक्रमा में भाग लिया।

इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रो से भी रथ यात्रा निकाली गई जो मुख्य यात्रा शामिल हुई। अखिल भारतीय नववर्ष समारोह समिति, आलोक संस्थान एवं बोहरा गणेश जी क्षेत्र के स्थानीय संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आज बोहरा गणेशजी चौराहे पर इस्कॉन मन्दिर से निकली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के अवसर पर भव्य महाआरती का भव्य आयोजन हुआ। आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमडे और पीली पताकाओं से सजे समूचे परिसर में श्हरि बोलश् और श्जय जगन्नाथश् के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

महाआरती सयोजक डॉ प्रदीप कुमावत ने बताया कि आरती से पूर्व भव्य कीर्तन में श्रद्धालु झूमतेए नाचतेए गाते हुए प्रभु के प्रेम में लीन दिखाई दिए। तत्पश्चात बोहरा गणेशजी और भगवान श्री जगन्नाथ का दिव्य मिलन हुआ । इस अवसर पर इस्कॉन समूह की संगीतमयी उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

महाआरती के उपरांत भगवान को खिचडी महाभोग अर्पित किया गया,जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रतम की एक विशेष झलक यह रही कि श्रद्धालुओं को पर्यावरण संरक्षण के संदेश स्वरूप प्लांट विद प्राइड संस्था,शडेस ऑफ उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 5000 पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया।

आंगनवाड़ी केंद्र नंद घर का निरीक्षण किया

उदयपुर, (कासं)। महिला एवं बाल विकास विभाग के नव नियुक्त निदेशक वासुदेव मालावत पदभार ग्रहण करने के उपरान्त शुक्रवार को प्रथम बार उदयपुर आए। इस दौरान उन्होंने सविना ग्रामीण आंगनवाड़ी केंद्र नंद घर तथा परियोजना कार्यालय गिर्वा कुराबड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया।

मालावत के आगमन पर महिला एवं बाल विकास के उप निदेशक नंदलाल मेघवाल ने पारंपरिक मेवाड़ी पगड़ी व उपरणा पहनाकर उनका स्वागत किया। मालावत द्वारा आंगनवाडी केन्द्रों पर दी जा रही छः सेवाएं यथा पूरक पोषाहर, शाला पूर्व शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य शिक्षा, टीकारण, स्वास्थ्य जॉच एवं रेफरल सेवाएं इत्यादि का प्रत्येक लेवल पर बारीकी से निरीक्षण किया गया। निदेशक बच्चों से भी रूबरू हुए। उन्होंने बच्चों से उनके नाम, माता-पिता का नाम, पसंदीदा खेल, कविता आदि पूछी। बच्चों ने मासूमियत भरे अंदाज में कविता सुनाकर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर बन रहे पोषाहार का निरीक्षण किया। रसोई घर में जाकर स्वच्छता की स्थिति देखी और वहाँ बनाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने कहा के बच्चे हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.7(12)PLAN/LANDUSE/2024-25/941 **आम सूचना** दिनांक : 11/6/2025

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा गुलाब कोठारी बनाम राजस्थान सरकार एवं अन्य सिविल रिट संख्या 1554/2004 में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के द्वारा पारित निर्णय के क्रम में सरकार के विभागीय आदेश दिनांक 20-07-2017 के अनुसार एवं राज्य सरकार के द्वारा समय-समय पर वृहद/व्यापक जनहित के दृष्टिगत मास्टर प्लान में भू-उपयोग परिवर्तन अनुज्ञये किये जाने के संबंध मे प्रदत्त आदेशों/परिपत्रों की अनुपालना मे निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/योजना	खसरा संख्या/ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्री संजय कोठारी एवं श्री राजेन्द्र कोठारी पिता श्री भगवती लाल कोठारी	भुवाणा	3424, 3431 से 3433, 3436 से 3441, 3505, 3506, 3508 से 3520, 3522 से 3529,3533 से 3535, 3563 से 3567, 3571, 3572, 4417/3563	संयुक्तिकृत भूखण्ड 11+12	9257.00 वर्गफीट	शोभागपुरा चौराहे से भुवाणा प्रतापनगर बाईपास को जाने वाली 100 फीट सडक पर कख्वर इलेक्ट्रिक के सामने स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

उमड़ा सैलाब

कपासन, (निसं)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर इस्लामी नये साल 1447 हिजरी, नौ चंदी जुमेरात पर जायरीने दीवाना का उमड़ा सैलाब 25 मोहरर्म सोमवार को पेश होगा अलम शरीफ।दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार गुरूवार को सुबह से ही जायरीन का आना शुरू हो गया।

दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे लगी अहाता ए नूर मे महफिले मिलाद का प्रोग्राम हुआ एवं कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश किए।

मेला ग्राउण्ड में 300 से उपर दुकाने लगी। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की तो आमीन-आमीन की सदा से दरगाह परिसर गूंज उठा।

श्रीधर भगवान की निकली रथयात्रा

भीण्डर। भीण्डर के प्रसिद्ध श्रीधर भगवान की रथयात्रा शुक्रवार को धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान ठाकुरजी रथ में बिराज करके नगर भ्रमण किया तो वहीं महादेव की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। रथयात्रा का नगर के विभिन्न जगहों पर भव्य स्वागत किया गया तो लोगों ने पुष्पवर्षा व आरती करके ठाकुरजी का स्वागत किया। रामपोल बस स्टेण्ड पर श्रीराम युवा संगठन के युवाओं ने मार्ग को पुष्प से सजा करके रथ का भव्य स्वागत किया। रथयात्रा की शुरूआत भीण्डर राजपरिवार सदस्य व पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर, श्रीधर मन्दिर सेवा प्रन्यास संरक्षक देवेन्द्रसिंह शक्तावत, अध्यक्ष कुबेरसिंह चावड़ा सहित पदाधिकारियों ने भगवान को मन्दिर से बेवाण में बिराजमान करके रथ तक लाएं। यहां से पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर सहित सभी ने रथ खींच करके रथयात्रा शुरू की।

दोपहर करीब 3.15 बजे मन्दिर से शुरू हुई रथयात्रा में राजशाही ठाठ-बाठ में सबसे आगे ऊंट, पांच अश्व, भारत माता की झांगी, बगियों में राम-हनुमान, राधा-कृष्ण सहित विभिन्न झांकियां सुशोभित थी, इनके पीछे डीजे पर महादेव की झांकी टीम और सैकड़ों श्रद्धालु नाचते-गाते चल रहे थे। रथ में भगवान श्रीधर लड्डू गोपाल और भव्य झांकी शोभायमान थी। वहीं सबसे पीछे खाटूश्याम जी के प्रतिरूप की झांकी सजाई गई, जिसका रथ महिलाएं खींच रही थी। रथयात्रा मन्दिर से रवाना होकर नगर के प्रमुख मार्ग मोचीवाड़ा, बाहर का शहर, रामपोल बस स्टेण्ड, हॉस्पिटल रोड, सुरजपोल चौराह, नृसिंह भगवान मन्दिर, सदर बाजार, सर्राफा बाजार, रावलीपोल होते हुए पुनः मन्दिर प्रागंण पर पहुंची। जहां महाआरती की गई। इसके बाद भगवान को पुनः मन्दिर में बिराजित किया गया। रथयात्रा का नगर में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया।रथयात्रा में महादेव की झांकी सबसे लुभावनी रही।

कार्यालय ग्राम पंचायत बोखाड़ा, पंचायत समिति सायरा जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांकः- ग्रा.प./नरेगा/निविदा/2025-26/27 दिनांक-26.6.2025

-:ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत बोखाड़ा में महानरेगा व अन्य योजनाओं में वर्ष 2025-26 में करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 03.07.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No.ZUD2526GLRC00965

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बोखाड़ा	ग्राम पंचायत बोखाड़ा
पं.स. सायरा	पं.स. सायरा
जिला-उदयपुर	जिला-उदयपुर

Office of gram panchayat anjana P.S. Deogarh (Rajsamand)

S.No.-104 Date:26.06.2025

Notice Inviting Bid

material supply gram panchayat anjana 2025-26 of panchayat samiti deogarh are invited from interested bidders up to 10:00 am 30.06.2025 others particulars of the bid may be visited on the procurement portal https:// sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in

NIB NO- ZRR2526A0183

UBN NO- ZRR2526GLRC00341

Sarpanch/VDO
Gram Panchayat
Anjana P.S. Deogarh

सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक प्रगति में सोशल मीडिया की अहम भूमिका : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। हमारे सनातन में शब्द को ब्रहम् माना गया है जिसकी ध्वनि वैदिक काल से वर्तमान तक सभी दिशाओं में गुंजायमान है। शब्दों में बहुत बड़ी ताकत होती है। देश ही नहीं वैश्विक स्तर पर आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सभी क्षेत्रों में संचार माध्यमों की भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है। संचार में सूचानाओं के संप्रेषण में तकनीकों के बढ़ते उपयोग ने नई क्रांति उत्पन्न की है। इस क्रांति के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रकार के प्रभाव-परिणाम दिखाई दे रहे है। तकनीक का उपयोग वर्तमान में जरूरी है।

सावधानी, सतर्कता और संयमित उपयोग से ही आधुनिक सूचना साधनों का सही उपयोग संभव है। उक्त विचार गुरूवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से एक्सप्लोरिंग द इवॉलविंग रोल ऑफ कम्यूनिकेशन इन मॉडर्न सोसायटी विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटलेजेन्स का शिक्षा, सामाजिक ,आर्थिक, राजनैतिक, व्यावसायिक, चिकित्सा, पर्यावरण सभी क्षेत्रों में मीडिया और कम्यूनिकेशन का प्रभाव स्पष्ट नजर आ रहा है। व्यापक विस्तार का क्षेत्र होने के कारण इसमें संभावनाएं एवं चुनौतियां दोनों भी उतनी ही व्यापक है। देश के 18 से 35 वर्ष के 65 प्रतिशत युवा सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे है। भारत का युवा तीन से चार घंटे इसका उपयोग करता है इसका प्रभाव नकारात्मकता ,अवसाद, सहनशीलता और एकाग्रता की कमी के रूप में दिखाई देने लगे है। अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कहा कि युवाओं पर सोशल मिडिया का बहुत अधिक प्रभाव पड़ रहा है। जरूरत है उनमें आई कमियों को दूर करने की। एआई और डिजिटलाईजेशन के दौर में शिक्षित और अशिक्षित वर्ग में इसके प्रभावों पर भी कार्य करने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। प्रारंभ में प्राचार्य प्रो. सराज गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. अमी राठौड़ ने बताया कि ऑफ लाईन, ऑन लाईन मोड पर आयोजित सेमीनार में नासिक, देहरादुन, अलवर, बैंगलोर, भोपाल, नवसारी, जोधपुर,हिसार सहित देश के 08 राज्यों के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 70 शोध पत्रों का वाचन किया गया। पांच तकनीकी सत्रों में प्रो. परितोष दुग्गड़, प्रो. सीमा मलिक प्रो. जीएम मेहता, प्रो. मंजू मांडोत ने संबोधित किया एवं पेपर प्रजेन्टर्स की प्रस्तुतियों का बारिकी से निरीक्षण किया। जिसमें आर्टिफिशियल इंटलेजिशन, सोशल मिडिया, डिजिटल प्लेटफार्म के विभिन्न पहुओं पर चर्चा की गई।

संचालन डॉ. इंदू बाला आचार्य ने किया जबकि आभार डॉ. बलिदान जैन ने जताया। सेमीनार में प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. भूरालाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

अंजुमन तालिमुल इस्लाम के चुनाव कल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में निवासरत मुस्लिम समाज के सर्वांगीण विकास के लिए गठित 125 साल पुरानी संस्था अंजुमन तालिमुल इस्लाम के 29 जून को प्रस्तावित चुनाव इस बार शहर में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

आपको बता दें कि मुस्लिम समाज में शैक्षिक विकास को लेकर संस्था की स्थापना वर्ष 1901 में की गई थी लेकिन एक सदी बीत जाने के बाद भी इस संस्था की रहनुमाई करने वाले संस्था के उद्देश्यों को हासिल करने में असफल रहे।

संस्था के चुनाव में चार पदाधिकारियों का चुनाव होगा जिसमें शहर में स्थित मस्जिदों से चुने गए 302 प्रतिनिधि इन चार पदाधिकारियों के साथ ही दस कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव करेंगे। केवल कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनयन होगा जिसे नर्वाचित कार्यकारिणी मनोनीत करेगी। पदाधिकारियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं संयुक्त सचिव पद पर चुनाव होगा। यह निर्वाचन पूर्व में 5 वर्ष के लिए था लेकिन बाद में इसे तीन साल के लिए निर्धारित कर दिया गया। यह कार्यकाल निर्वाचित तिथि से आगामी तीन वर्ष के लिए मान्य होगा। इस बार इस संस्था के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हो गए है कि पहले इस संस्था के चुनाव निर्विरोध हो जाते थे या निर्धारित पदों पर सीधा मुकाबला होता था लेकिन इस बार ऐसा नहीं है सदर (अध्यक्ष) पद के लिए चार उम्मीदवार, नायब सदर (उपाध्यक्ष) पद के लिए तीन उम्मीदवार तथा सेकेट्री (सचिव) एवं जोइंट सेकेट्री (संयुक्त सचिव) पद के लिए तीन-तीन उम्मीदवार के साथ ही निर्धारित 10 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 19 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है।

अंजुमन तालिमुल इस्लाम के चुनाव इस बार इसलिए भी दिलचस्प हो गए है कि इस संस्था की ओर इस बार समाज का युवा एवं शिक्षित वर्ग उन्मुख हुआ है। जब समाज का शिक्षित वर्ग सामाजिक उत्थान की ओर अठासर होता है तो निश्चित है कि उसके कुछ अच्छे परिणाम भी होते है लेकिन यह सब चुनाव के बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों के समन्वय पर भी निर्भर करता है। हालांकि संस्था के चुनाव के लिए निर्धारित संविधान को लेकर भी विरोधाभास है। प्रथम तो यह कि प्रतिनिधि उस क्षैत्र और शहर का मूल निवासी होना चाहिए लेकिन चुनाव में इस अहम मुद्दे को अनदेखा किया जाता रहा है। दूसरे केवल मुस्लिम समाज के पुरूषों की जनसंख्या के आधार पर ही प्रतिनिधियों की संख्या का निर्धारण कर उनका चुनाव करवाया जाता है जबकि यह संस्था महिलाओं के कल्याण का भी दावा करती है। उसके उपरांत भी निर्धारित 425 सदस्यों में से 123 सदस्यों को विभिन्न कारण बताते हुए अयोग्य घोषित करते हुए केवल 302 प्रतिनिधियों को ही निर्वाचन का अधिकार दिया गया है।

तमसो मा ज्योतिर्गमय
GITS
Darkness to Light

GEETANJALI INSTITUTE OF TECHNICAL STUDIES

(Affiliated to Rajasthan Technical University, Kota & Approved by AICTE, New Delhi)

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

23 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

ADMISSIONS OPEN 2025-26

LAST DATE OF REAP REGISTRATION 30th JUNE 2025 REAP CODE 1042

SUNDAY OPEN

B.Tech : CSE • CSE (AI) • CE • ECE • EE • ME

M.Tech | MBA | MCA | Ph.D

9600+ Students Placed in Top Corporates
370+ New Start-up successfully launched
₹ 43 Lakh Grant Received under AICTE & MSME Women Hackathon 3.0
950+ Top companies visited for campus interviews
₹ 32 LPA Highest Package
₹ 6 LPA Average Package
25+ Industry (MOU's) Memorandum of Understanding
260+ Projects Innovated for Govt. of India
60+ Awards and Recognitions
04 Centers of Excellence
14+ National (SIH 2020, 2022, 2023 & 2024) and State Level Hackathons Winners
1450+ Students Completed NPTEL Courses

From Udaipur to the World-GITS Alumni Leading MNCs with Crore+ Packages

Empowering Careers through Academic Excellence, Global Exposure and Industry-Driven Innovation

GEETANJALI COLLEGE OF SCIENCE & COMMERECE
(Affiliated to Mohanlal Sukhadia University, Udaipur & Approved by AICTE, New Delhi)
COURSES OFFERED BBA | BCA

ADMISSION HELPLINE 911 6039 801 | 911 6039 802 | 0294-2657802

CAMPUS: Airport Road, Dabok, Udaipur (Rajasthan) | CITY OFFICE: 27-B, Bhatt Ji Ki Bari, Udaipur 911 6039 822

www.gits.ac.in | admission@gits.ac.in

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होगी लेकिन अब खुद नदीम ने खुलासा करते हुए कहा कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं।
- नीरज चोपड़ा

भारतीय एथलीट, पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **मोहम्मद शमी**

भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद शमी भी नाखुश नजर आए। शमी ने कहा कि भारतीय टीम के अन्य गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे, उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर अन्य गेंदबाज बुमराह का समर्थन करेंगे तो हम आसानी से मैच जीत जाएंगे। अगर मैं पहले मैच की बात करूं तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है।

क्या आप जानते हैं ?... साल 1932 में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया था, तब से लेकर अब तक लगातार कभी भारतीय टीम इंग्लैंड गई तो कभी इंग्लैंड की टीम भारत आई और ये सिलसिला अभी तक जारी है।

आरसीए विवाद गर्माया : जिला क्रिकेट संघों ने खेल विभाग, परिषद के खिलाफ हल्ला बोला

खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह आरसीए को बिखेरने का काम कर रहे है : राजेन्द्र सिंह नांदू

जयपुर, 27 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी घमासान फिर शुरू हो गया है। शुक्रवार को बीजेपी समर्थक जिला क्रिकेट संघ होने खेल विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राजस्थान क्रिकेट संघ से संबंधित जैसलमेर जिला क्रिकेट संघ के सचिव और आरसीए एडहॉक समिति के सदस्य विमल शर्मा, नागौर जिला क्रिकेट संघ के सचिव आर एस नांदू, जालौर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सतीश व्यास, भरतपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघ्न तिवारी और डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सुशील जैन इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उपस्थित रहे और खेल विभाग और खेल परिषद पर गंभीर आरोप लगाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों ने बीजेपी राज में कांग्रेसी नेता आरसीए में कांग्रेस राज में हुआ भ्रष्टाचार को बचाव करने का आरोप लगाया। खेल मंत्री ने अपनी आंखें बंद कर रखी है। ऐसे में अब हम मुख्यमंत्री तक अपनी गुहार लगाएंगे ताकि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जारी अनियमितताओं पर अंकुश लग सके।

नागौर जिला क्रिकेट संघ के सेक्रेटरी राजेंद्र सिंह नांदू ने कहा कि खेल विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को विकृत करने का काम किया जा रहा है। जितने भी जिला क्रिकेट संघ भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से जुड़े हुए हैं। वहां पर खेल संघ के ऑब्जर्वर तक नहीं भेजे जाते हैं। बल्कि, उन्हें बेवजह नोटिस जारी किए जा रहे है। जबकि कांग्रेस समर्थित जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ अगर कोई जांच भी चलती है। तो उसे रोक दिया जाता है।

नांदू ने कहा कि नागौर जिला क्रिकेट संघ को बेवजह नोटिस दिए जा रहे हैं। जिसे हाईकोर्ट की दखल के बाद वापिस ले लिया जाता है। इसके बाद खेल विभाग का दुरुपयोग कर खेल सचिव मुझे नोटिस जारी करते हैं। जबकि कांग्रेसी नेताओं के समर्थित पाली जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ जांच को रोक दिया गया है। इसलिए हम मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि वह राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के जिला संघों से जुड़ी सभी पत्रावलियों को खुद के पास मंगवाकर उसकी निष्पक्ष जांच करवाए ताकि उन्हें भी हमारे साथ हो रहे दुर्व्यवहार का पता चल सके।

उन्होंने कहा कि भरतपुर, धौलपुर जिला क्रिकेट संघ के चुनाव में खेल विभाग ने ऑब्जर्वर नहीं भेजा। बीजेपी विधायक संजीव बेनीवाल के बेटे के चुनाव में भी ऑब्जर्वर नहीं भेजा गया। लेकिन वहीं कांग्रेस के धारणिया के चुनाव में ऑब्जर्वर भेजा गया।

नांदू ने कहा कि बीजेपी समर्थक सभी जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी चाहते हैं कि मुख्यमंत्री बीजेपी विधायक और एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी को बुलाकर उनसे आरसीए की हकीकत को समझे ताकि उन्हें राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की हकीकत का पता चल सके। उन्होंने कहा कि खेल विभाग द्वारा आरसीए के संसाधनों का उपयोग कर राजस्थान रॉयल्स को फायदा पहुंचाया गया है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में हमारी मशीनरी और कर्मचारियों को काम में लिया जा रहा है। लेकिन हमें ही वहां से बेदखल कर दिया गया है। हम जानना चाहते है कि राजस्थान रॉयल्स को किस आधार पर खेल परिषद ने भुगतान किया। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में कितने पास राजस्थान रॉयल्स ने खेल विभाग को दिए। वह पास किन-किन लोगों तक पहुंचे। इन सभी पहलुओं की जांच होनी जरूरी है।

नांदू ने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबलों के आयोजन की जिम्मेदारी दी थी। अगर हम चाहते तो जोधपुर के बरकतुल्लाह खान क्रिकेट स्टेडियम में भी इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले का आयोजन करवा सकते थे। लेकिन हम मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल करवाना चाहते थे। इसलिए हम आईपीएल के आयोजन के दौरान चुप थे।

नांदू ने आरोप लगाते हुए कहा कि खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के इशारों पर यह सब हो रहा है। अगर नहीं हो रहा है, तो भी उन्हें इस पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्हें अपनी बंद आंखों को खोलना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि आखिर कब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के साथ सवाई मानसिंह स्टेडियम को लेकर एमओयू होगा। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेसी धर्मवीर सिंह शेखावत दुबई में वैभव गहलोत के साथ घूम रहे थे। पिछले सवा साल से वह राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन चला रहे थे। कांग्रेसी सिलेक्टर से लेकर कांग्रेसी कोच राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में भर दिए गए हैं। जो भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से जुड़े जिला क्रिकेट संघों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

नांदू ने कहा कि राजस्थान में जब कभी कांग्रेस की सरकार आएगी। तब मुझे तो जेल में डाल दिया जाएगा। तब मुझे भारतीय जनता पार्टी के लिए मरना पड़ेगा। लेकिन मैं आज यह पूछना चाहता हूं कि आखिर बीजेपी की सरकार में कांग्रेसी नेताओं और वैभव गहलोत के समर्थक लोगों को क्यों तरजीह दी जा रही है। हमारी सरकार में हम तो चाय के लिए भी तरस रहे है जबकि कांग्रेसी नेताओं को रबड़ी खिलाई जा रही है। धर्मवीर सिंह शेखावत और रतन सिंह पूरी तरह कांग्रेसी हैं। यह लोग तो पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और वैभव गहलोत के साथ भी सत्ता के मजे ले रहे थे। आज हालात इतने बिगड़ गए हैं कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में कांग्रेस के नेता खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

नांदू ने कहा कि हमने तो खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से भी मुलाकात कर अपना पक्ष रखने की कोशिश की थी लेकिन उनके पास तो हमसे मुलाकात का ही वक्त नहीं है। ऐसे में अब हम जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर अपनी पीड़ा जाहिर करेंगे। इसको लेकर एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी को भी हमने अपनी पीड़ा बताई है। उन्होंने हमें मुख्यमंत्री तक हमारी समस्या पहुंचाने का वादा किया है।

एडहॉक कमेटी के सदस्य और जैसलमेर जिला क्रिकेट संघ के सेकेट्री विमल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में घरेलू क्रिकेट का सीजन शुरू हो चुका है। हम खेल विभाग से सवाई मानसिंह स्टेडियम को लेकर भी मिले थे। जिसमें हमने उन्हें कहा था कि हम आपको 5 लाख रुपए महीने के देंगे ताकि राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ ग्राउंड पर खेलने का मौका मिल सके लेकिन खेल विभाग ने ऐसा नहीं होने दिया। पूरा कॉल्विन शील्ड क्रिकेट टूर्नामेंट निकल गया। लेकिन हमें सवाई मानसिंह स्टेडियम उपलब्ध नहीं हो पाया।

जयसूर्या, डिसिल्वा का कहर, बांग्लादेश हार की ओर

कोलंबो, 27 जून। प्रभात जयसूर्या और धनंजय डिसिल्वा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बंगलादेश के दूसरी पारी में 115 रन के स्कोर पर छह विकेट झटक अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है। श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 290 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह श्रीलंका का तीसरा विकेट सुबह के सत्र में पथुम निसंका के रूप में गिरा। पथुम निसंका ने 254 गेंदों में 19 चौकों की मदद से 158 रनों की पारी खेली। इसके थोड़ी देर बाद तैजुल इस्लाम ने कप्तान धनंजय डिसिल्वा (सात) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कुसल मेंडिस को छोड़कर श्रीलंका के अन्य बल्लेबाज बंगलादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके। प्रभात जयसूर्या (10) को नाहिद राणा ने आउट किया। सोनल दिनुशा (11), थरिंडु रत्नायके (10) रन बनाकर आउट हुये। कुसल मेंडिस ने 87 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से (84) रनों की पारी खेली। श्रीलंका की पूरी टीम ने 116.5 ओवर में 458 रन बनाये और 211 रनों की बढ़त हासिल कर ली। बंगलादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने पांच और नईम हसन ने तीन विकेट लिये। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। अनामुल हक (19) और शादमान इस्लाम (12) रन बनाकर आउट हुये।

कार्यालय बाँसवाड़ा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड

क्रमांक : बाँ.स.उ.थो.भ./2025/295 दिनांक :- 25/06/2025

ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26

बाँसवाड़ा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड अन्तर्गत Supply of high quality grocery items हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 14.07.2025 को प्रातः 11.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपापन हेतु NIB Code - CMF2526A0053 UBN No.CMF2526GLOB00076 है।

राज.संवाद/सी/25/5207 महाप्रबन्धक

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांकः–1044–50 दिनांकः– 19.05.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से राजकीय विभागो/उपक्रमों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रकिया से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना निम्नलिखित बेवसाइट http://sppp.raj.gov.in, http://eoroc.rajasthan.gov.in पर से डाउनलोड की जा सकती है।

NIB No.- DLB2526A2825 आयुक्त

राज.संवाद/सी/25/5142 नगर परिषद गंगापुर सिटी

ERCP Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited

Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017 Tel: 0141-2709667 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 1610 Date :- 23/06/2025

NIB No. - ERCPCL/14/2025-26

Managing Director, ERCPCL invites bid for " Providing Taxi Vehicles Innova Crysta Latest Model on hiring monthly basis at ERCPCL PMU-Office, Sinchai Bhawan, Jaipur for year 2025-26" from interested bidders up to 02.07.2025 (01.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state. The approximate value of the procurement is Rs 12.87 Lacs.

NIB Code : ERP2526A0018, UBN No. : ERP2526SLOB00020

Raj.Samwad/C/25/5175 MD cum Chief Engineer

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः–न.पा.नि./निर्माण/2025–26/4030 दिनांकः– 25.06.2025

ई. बोली सूचना संख्या :– 15/2025–2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :–

बोली का कार्य	:	NIB Code:- DLB2526A2929 (कुल 11 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB2526GLOB09230, 31, 33, 36, 38, 41, 43, 47, 49, 54, 57
बोली की कुल लागत	:	Rs 209.49 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 30.06.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरुआती दिनांक व समय	:	दिनांक 30.06.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 11.07.2025 सांय 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 14.07.2025 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि		90 Day

अध्यक्ष नगर पालिका निवाई — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका निवाई

राज.संवाद/सी/25/5133

भारत की अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

होव, 27 जून। कनिष्क चौहान (तीन विकेट), अम्ब्रिश, हेनिल पटेल और मोहम्मद एनान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अभिज्ञान कुंडु (नाबाद 45), वैभव सूर्यवंशी (48) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने शुक्रवार को पहले एकदिवसीय यूथ मुकाबले में इंग्लैंड को 156 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

आज यहां इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की पूरी टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे 42.2 ओवर में 174रन पर ढ़ेर हो गई। इंग्लैंड के लिए रॉकी फ्लिंटॉफ ने (56) और इसाक मोहम्मद (42) रनों की पारी खेली। बीजे डॉवकिंस (18), बेन मेयस (16) और जेम्स मिंटो (10) रन बनाकर आउट हुये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड के शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से कनिष्क चौहान ने तीन विकेट लिये। अम्ब्रिश, हेनिल पटेल और मोहम्मद एनान को दो-दो विकेट मिले।

175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की कप्तान आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट के लिये 7.3 ओवर में 71 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में आतिशी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 19 गेंदों में (48) रन बनाकर आउट हुये । उन्होंने अपनी पारी में पांच छक्के और तीन चौके लगाये। भारत का दूसरा विकेट आयुष म्हात्रे (21) के रूप में गिरा। विहान मल्होत्रा (18), मौलयारजसिंह चावड़ा (16) रन बनाकर आउट हुये।

आईसीसी ने टी-20 पावरप्ले नियमों में किया बदलाव

दुबई, 27 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों के टी-20 क्रिकेट मैचों के नियमों में किये गये महत्वपूर्ण बदलाव के तहत वर्षा प्रभावित मैचों में पावरप्ले का निर्णय ओवर के आधार पर होगा।

आईसीसी ने अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए जाते हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर तय किए जाएंगे। वर्तमान नियमों के अनुसार 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं। नये नियम के तहत वर्षा प्रभावित मैचों में पांच ओवर के मैच के लिए 1.3 ओवर का पावरप्ले होगा। छह ओवर के लिए 1.5, सात ओवर के लिए 2.1, आठ ओवर के लिए 2.2, नौ ओवर के लिए 2.4, दस ओवर के लिए तीन ओवर, 11 ओवर के लिए 3.2, 12 ओवर के लिए 3.4, 13 ओवर के लिए 3.5, 14 ओवर के लिए 4.1, 15 ओवर के लिए 4.3, 16 ओवर के लिए 4.5, 17 ओवर के लिए 5.1, 18 ओवर के लिए 5.2 तथा 19 ओवर के लिए 5.4 ओवर पावरप्ले के होंगे। इस दौरान ओवर के बीच हुए बदलाव को लेकर अंपायर संकेत देंगे। ये नियम जुलाई से लागू होंगे। यह नियम इंग्लैंड के टी- 20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में कई सालों से उपयोग किया जा रहा है, जहां ओवर के बीच में पावरप्ले समाप्त होने से खिलाड़ियों या मैच अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं होती है। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में ओवर-रेट पर नियंत्रण के लिए स्टॉप क्लॉक का उपयोग, नो-बॉल पर भी कैच की वैधता जांचना, घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खिलाड़ी स्थानांतरण की मंजूरी देना तथा पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने की शर्तों में किए गए कुछ अन्य प्रमुख बदलाव हैं। इनमें से कुछ नए नियम विश्व टेस्ट टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के नए चक्र में पहले से लागू हो चुके हैं। सफेद गेंद क्रिकेट से संबंधित नियम दो जुलाई से प्रभावी होंगे। टी-20 प्रारूप में पावरप्ले के दौरान केवल दो खिलाड़ी ही 30 गज के बाहर होते हैं।

वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया पर बनाई पकड़

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 27 जून। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर जेडन सील्स की अगुवाई में वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्टंप के समय ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 92 रन के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाज शाई होप (48) और कप्तान रोस्टन चेस (44) के बीच जुझारू साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में बनाये गये स्कोर के आधार 10 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत एक बार फिर खराब रही और उसने 27 के स्कोर पर उस्मान ख्वाजा (15) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद 34 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट सैम कॉन्स्टास (पांच) रन के रूप में गिरा। जॉश इंग्लिस (12) को जेडेन सील्स ने बोल्ड आउट किया। कैमरन ग्रीन (15) को जस्टिन ग्रीव्स ने रॉस्टन चेज के हाथों कैच आउट कराया।

एशियन जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल

राजस्थान के दिव्यांशी, प्रभव और सुभाष टीम में, सुरभि मिश्रा महिला टीम की कोच

जयपुर, 27 जून। एक जुलाई से दक्षिण कोरिया के जिम सिहोंग सी शहर में आयोजित होने वाली 32वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। भारतीय टीम में राजस्थान के तीन खिलाड़ी दिव्यांशी जैन, प्रभव बाजोरिया और सुभाष चौधरी शामिल हैं।

जयपुर की सुरभि मिश्रा को भारतीय महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया है। चेन्नई के कालीमुत्थु सुब्रहमण्यम और नोएडा के रणविजय पुरुष टीम के कोच होंगे। भारतीय टीम शनिवार को दिल्ली से कोरिया के लिए रवाना होगी। भारतीय टीम की कोच सुरभि मिश्रा ने बताया कि जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी की स्पर्धाएं होंगी और सभी कैटेगरी में बॉयज और गर्ल्स में भारत के चार-चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सुरभि ने बताया कि राजस्थान की दिव्यांश जैन गर्ल्स अंडर-13, प्रभव बाजोरिया बॉयज अंडर-13 और सुभाष चौधरी बॉयज अंडर-17 कैटेगरी में चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की अनाहत सिंह को गर्ल्स अंडर-19 में शीर्ष वरीयता दी गई है, जबकि बॉयज अंडर-15 में श्रेयांश झा को दूसरी और अंडर-19 में आर्यवीर दीवान को तीसरी वरीयता दी गई है।

सुरभि मिश्रा ने बताया कि चैंपियनशिप में भारत और मेजबान कोरिया के अलावा पाकिस्तान, जापान, चीन, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, ईरान, कतर, हांगकांग, मकाओ, मगोलिया और चीन ताइपे के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

आईसीसी के राजस्व में भारत को मिलना चाहिए बड़ा हिस्सा : शास्त्री

नई दिल्ली, 27 जून। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारत को आईसीसी के कुल राजस्व में और भी बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। इसके पीछे का कारण ये है कि आईसीसी के खजाने में भारत का योगदान सबसे ज्यादा है। 2024-27 चक्र के मॉडल के अनुसार भारत वर्तमान में आईसीसी के कुल राजस्व का 38.5 प्रतिशत कमाता है, जो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से काफी ज्यादा है। बावजूद रवि शास्त्री इसमें और बढ़ोतरी चाहते हैं।दरअसल, शास्त्री का मानना है कि जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले। विज्डन क्रिकेट से बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा कि, भारत को आईसीसी के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। टीवी से जो रही कमाई के आंकड़े खुद ये साबित करते हैं। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले।

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड्स

केंद्रीकृत रोज़गार अधिसूचना (सीईएन) सं. 02/2025 – तकनीशियनों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में तकनीशियन ग्रेड–III के विभिन्न पदों एवं तकनीशियन ग्रेड–I सिग्नल के पद हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 28.07.2025 है। सभी संदर्भों में पूर्ण आवेदन पत्र **केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।**

महत्वपूर्ण तिथियां

आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि : 28 जून 2025
आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 28 जुलाई 2025 (23:59 बजे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतन स्तर	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	आयु (01.07.2025 के अनुसार)	रिक्तियां (समस्त रे.भ.बो.)	कुल रिक्तियां (समस्त रे.भ.बो.)
तकनीशियन ग्रेड–I सिग्नल	5	29,200/-	बी–1	18–33 वर्ष	183	6238
तकनीशियन ग्रेड–III	2	19,900/-	विस्तृत सीईएन के अनुलग्नक 'ए' को देखें।	18–30 वर्ष	6055	

नोटः
(1) प्रत्येक उम्मीदवार को विशिष्ट वेतन स्तर हेतु केवल एक रे.भ.बो. में आवेदन करने की अनुमति दी जाती है, और वेतन स्तर के अंतर्गत किसी एक या सभी अधिसूचित पदों के लिए केवल एक कॉमन ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
(2) प्रत्येक वेतन स्तर के लिए अलग से आवेदन पत्र जमा करना होगा।
(3) उम्मीदवारों को दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने के दौरान डिजीलॉकर/आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरणों को सत्यापित कर लें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा एवं अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड में उल्लिखित नाम एवं जन्म–तिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने संबंधी प्रमाण पत्र में उपलब्ध उम्मीदवार का पूरा नाम एवं जन्म–तिथि के साथ शत–प्रतिशत मिलान करने के लिए अद्यतन किया जाना चाहिए। इसी प्रकार ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आईरिस) के साथ अद्यतन किया जाना आवश्यक है।

इस सूचना का स्वरूप पूर्ण रूप से सांकेतिक है। विस्तृत विवरण के लिए कृपया ब्योरवार केंद्रीकृत रोज़गार अधिसूचना (सीईएन) सं. 02/2025 का संदर्भ लें, जिसे दिनांक 28.06.2025 को निम्न सूचीबद्ध समस्त भाग लेने वाले रे.भ.बोर्डों की आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रकाशित किया जाएगा।

सीईएन सं. 02/2025 में भाग लेने वाले रे.भ.बोर्डों की वेबसाइट			
अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	अजमेर www.rrbajmer.gov.in	बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in	भोपाल www.rrbbhopal.gov.in
भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	चंडीगढ www.rrbcdg.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in
गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	जम्मू–श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in
मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	मुज़फ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
राँची www.rrbranchi.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in	तिरुवनंतपुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	*****	*****	*****

उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय–समय पर केवल रे.भ.बोर्ड्स की उक्त निर्दिष्ट वेबसाइटों पर ही जारी की जाएगी।

सं. रेलवे/अज/एडीवीटी/02/2025 — अध्यक्ष
दिनाकः 28.06.2025 — रेलवे भर्ती बोर्ड्स

"जालसाज़ों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

राजस्थान राज्य सब जूनियर बॉयज फुटबॉल चैम्पियनशिप 2025

रणंजय भाटी जयपुर टीम के कप्तान, अक्षित उपकप्तान बने

जयपुर, 27 जून। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान और जिला फुटबाल संघ अजमेर द्वारा 27 जून से 30 जून तक आयोजित होने जा रही राजस्थान राज्य सब जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली जयपुर जिला की फुटबॉल टीम आज अजमेर के लिए रवाना हुई। जयपुर जिला की 18 सदस्य टीम के कप्तान रणंजय भाटी को और उप कप्तान अक्षित शर्मा को बनाया गया है। आज चौगान स्टेडियम में जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य अब्दुल जब्बार, हितेश शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और शेबी फिलिप्स ने जयपुर टीम की घोषणा की और टीम के सदस्यों को टीम किट प्रदान किया। अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर जिला फुटबॉल टीम का चयन 15 जून को आयोजित ट्रायल और उसके बाद आयोजित दस दिवसीय कैंप के आधार पर किया गया। ट्रायल में जयपुर जिले के 102 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें से अंतिम 18 सदस्य टीम का चयन किया गया है। दस दिवसीय चयन और ट्रेनिंग कैंप पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में चौगान स्टेडियम के फुटबॉल कोच हितेश शर्मा के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से मान्यता प्राप्त सी लाइसेंस कोच संजय लांबा की देखरेख में आयोजित किया गया। मुख्य कोच हितेश शर्मा के अनुसार जयपुर टीम संतुलित और उत्साहित है और उन्हें उम्मीदें कि वह टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करेगी। शेबी फिलिप्स ने बताया कि यह प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जा रही है और प्रतियोगिता का फाइनल 30 जून को खेला जाएगा। जयपुर टीम प्रतियोगिता में अपना प्रथम मैच 28 जून को खेलेगी। डॉ दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि इस राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम के खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। टीम इस प्रकार है- सम्यक राठी, रणंजय भाटी (कप्तान), अदम्य सोलंकी, अल मुहैमिन अली, काहन सिंह सोलंकी, रौनक पमनानी, प्रथम सिंह, चिराग लालवानी, समर प्रताप सिंह शेखावत, कबीर काका, किंशुक सक्सैना, अक्षित शर्मा (उप कप्तान), इस्मित रोकाहा, दर्श जैन, आयुष शर्मा, आयुष मीना, पार्थ रॉय, मोहम्मद फैज़ टीम के कोच संजय लांबा और मैनेजर विकास यादव है। चयन समिति के वरिष्ठ सदस्य मनोज शर्मा ने टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने ''इमरजैंसी डायरी'' का विमोचन किया

जयपुर27 जून । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को ''द इमरजेंसी डायरी, वो वर्ष जिन्होंने एक नेता को गढ़ा'' पुस्तक का राजस्थान में विमोचन किया। यह पुस्तक ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है, जो देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे अंधकारमय कालखंड - आपातकाल - में युवा नरेन्द्र मोदी के संघर्षों और नेतृत्व क्षमता के उदय को रेखांकित करती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में उस दौर के असली नायकों की जीवंत झलक प्रस्तुत की गई है।**

भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों का संग्रह है, बल्कि उस दौर के असली नायकों की जीवंत झलक भी प्रस्तुत करती है। पुस्तक में उन लोगों की प्रत्यक्ष कथाएं शामिल हैं, जिन्होंने आपातकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के साथ कार्य किया और उनके साहस, संगठन क्षमता और दूरदृष्टि को करीब से देखा। इसके साथ ही, इसमें दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज और अभिलेखीय सामग्री का भी समावेश किया गया है, जो इस पुस्तक और अधिक प्रामाणिक बनाते हैं।

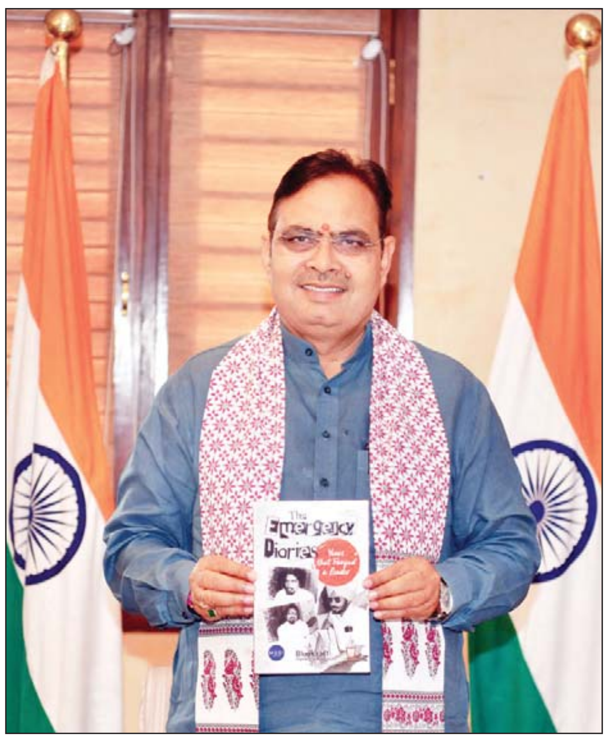
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को ''द इमरजेंसी डायरी, वो वर्ष जिन्होंने एक नेता को गढ़ा'' पुस्तक का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो जान सकेंगे कि कैसे लोकतंत्र के संकट काल में भी कुछ नेता अडिग रहे और राष्ट्रिहत को सर्वोपरि रखा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लेखक, संपादक एवं प्रकाशक को इस महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए बधाई दी और आशा जताई कि यह कृति देशभर में जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने रबी में नुकसान पर 239 करोड़ रूपए स्वीकृत किए

जयपुर, 27 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि एवं कृषक- हित में निरंतर निर्णय ले रही है। किसानों का जीवनस्तर और बेहतर करने तथा उनकी आय में वृद्धि के लिए, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, गेंहू की एमएसपी खरीद पर अतिरिक्त बोनस, अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा क्लेम

- **प्रदेश के 8 जिलों के 143 गाँवों में 20 हजार किसानों को रबी के दौरान ओलावृष्टि से हुए नुकसान के लिए आदान-अनुदान की स्वीकृति प्रदान की गई है।**

वितरण जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इसी क्रम में, प्रदेश के 143 गांवों के 70 हजार 366 किसानों को बडी राहत देते हुए 239 करोड़ रूपये के आदान-अनुदान की स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि आपदा राहत कोष से वितरित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रबी फसल सीजन 2024-25 में प्रदेश के 8 जिलों की 18 तहसीलों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ था। मुख्यमंत्री ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए इनकी त्वरित गिरदावरी करवाने के निर्देश दिए थे, जिसके पश्चात राज्य सरकार द्वारा 33 प्रतिशत से अधिक खराबे वाले 143 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया गया था।

जुलाई के पहले सप्ताह में विदेश यात्रा पर जाएंगे प्र.मंत्री मोदी

प्रधानमंत्री 8 दिन में पांच देशों की यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो से नौ जुलाई तक पांच देशों -घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना,ब्राजील तथा नामीबिया की आठ दिन की यात्रा पर जायेंगे। यह प्रधानमंत्री की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। वह ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा तीन दशकों के बाद हो रही है। यात्रा के दौरान मोदी घाना के राष्ट्रपति के साथ मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा और आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा तथा विकास सहयोग को साझेदारी के माध्यम से और बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और 'पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय' तथा अफ्रीकी संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

यात्रा के दूसरे चरण में तीन से चार जुलाई तक प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के प्रधान मंत्री के निमंत्रण पर वहां जायेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में उनका इस देश का पहला दौरा होगा। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री महामहिम कमला परसाद-बिसेसर के साथ वार्ता करेंगे। वे भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंधों को और मजबूत

- **ये पांच देश हैं घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेन्टीना, ब्राज़ील व नामीबिया।**
- **ब्राज़ील में मोदी 17 वें ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेंगे।**

करने पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा वहां की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किये जाने की भी उम्मीद है।

मोदी, यात्रा के तीसरे चरण में चार से पांच जुलाई तक अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर वहां की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मोदी, राष्ट्रपति माइली के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें सहयोग की समीक्षा की जाएगी और रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश तथा लोगों के बीच संबंधों सहित, प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील के राष्ट्रपति महामहिम लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 5 से 8 जुलाई तक ब्राजील की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्राजील की चौथी यात्रा होगी। ब्रिक्स नेताओं का शिखर सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में आयोजित किया जाएगा। ब्राजील की राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संपर्क सहित, आपसी हित के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में मोदी नामीबिया के राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के निमंत्रण पर 09 जुलाई को नामीबिया की राजकीय यात्रा पर जाएंगे।

राजनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने रुसी एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति पर भी चर्चा की, जो भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। इसके अलावा सु-30 एनकेएल लड़ाकू विमानों के उन्नयन और आवश्यक सैन्य उपकरणों की त्वरित आपूर्ति पर भी वार्ता हुई। भारत ने रुस से एस-400 प्रणाली की पाँच स्क्वाड्रन का ऑर्डर दिया था, जिनमें से तीन पहले ही सक्रिय हो चुकी हैं, जबकि शेष दो के 2026 तक मिलने की उम्मीद है।

गैंगस्टर की मां की गोलीमार कर हत्या, बॉडीगॉर्ड भी मारा गया

बटाला (पंजाब), 27 जून। पंजाब के बटाला में देर रात कादियां रोड पर स्थित एक बेकरी के पास गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और उनके बॉडीगार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला गैंगवार से जोड़ा जा रहा है। दविंदर बंबीहा गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

आरोपी दो बाइकों पर आए थे। उन्होंने कार के बिल्कुल नजदीक जाकर गोली चलाई। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली लगने से

- **घटना पंजाब की है और मृतका हरजीत कौर जेल में बंद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां है।**

घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, महिला की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है।

लॉरेंस के विरोधी बंबीहा गैंग से जुड़े 3 गैंगस्टरों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी जिम्मेदारी ली है। इनमें 2 गैंगस्टर प्रभू दासुवाल और कौशल चौधरी हरियाणा के हैं।

पुलिस इस घटना को आपसी गैंगवार से जोड़कर देख रही है, क्योंकि जग्गू पंजाब में लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है। कई विरोधी गैंग से उसका टकराव रहा है।

चीन, अमेरिका को ''रेअर अर्थ''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत बड़ा सम्मान माना जाता है।

यह अकेली धमकी ही चीन की तरफ से अमेरिका को कई तरह की रियायतें दिलवाने में कामयाब रही, जिसमें चीन से आने वाले उत्पादों पर व्यापक आयात शुल्क भी शामिल है।

लेकिन दूसरी ओर, चीन, भारत के लिए इन्हीं दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट्स के निर्यात को लगातार सीमित कर रहा है। वास्तव में, चीन ने भारत को किए जाने वाले, दुर्लभ खनिजों से लेकर विशेष उर्वरकों तक, कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर असर पड सकता है।

चीन भारत को मुख्यत: एक बड़ा बाज़ार मानता है और इसमें अपनी पहुँच भी चाहता है, लेकिन भारत को अपनी निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी कच्चा माल देना नहीं चाहता। दोनों देशों के बीच यह एक सतत संघर्ष का विषय रहा है, क्योंकि उनके संबंध स्वाभाविक रूप से प्रतिद्वंदात्मक हैं। रणनीतिक रूप से चीन एशिया में अपने वर्चस्ववादी मंसूबों के लिए भारत को एक बड़ी चुनौती मानता है। सन् 2020 में गलवान घाटी की घटना के दौरान, चीन ने भारत के खिलाफ अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश की थी।

तथापि, वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर भारत ने जिस तरह से सैन्य प्रतिक्रिया दी, उससे चीन की उस योजना को झटका लगा। अब चीन अन्य तरीकों से दबाव बनाकर अपनी स्थिति फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के लिए जरूरी इनपुट सप्लाई पर नियंत्रण शामिल है। चीन ने भारत को टनल बोरिंग मशीनें (टी.बी.एम.) तक देना बंद कर दिया है, जो देश की कई महत्त्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बेहद जरूरी हैं।

बताया जा रहा है कि इन मशीनों की देर से आपूर्ति मुंबई-अहमदाबाद हाईवे जैसी बहु-करोड़ परियोजनाओं और हिमालय क्षेत्र में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बी.आर.ओ.) की परियोजनाओं को बाधित कर सकती है। सन् 2020 की सीमा झड़पों के बाद चीन ने इन परियोजनाओं पर आपत्ति भी जताई थी। भारत ने भी चीन के इन कदमों के जवाब में उसके निवेशों पर रोक लगाई थी। अब चीन से आने वाले किसी भी निवेश को मंजूरी लेना आवश्यक है, जबकि अन्य देशों के साथ यह शर्त नहीं है। इन प्रतिबंधों के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट आई है।

दूसरी तरफ, भारत ने भी व्यापारिक कूटनीति के ज़रिए चीन को चोट पहुँचाने की कुछ कोशिशें की हैं, लेकिन ये प्रयास अभी भी कमजोर हैं, क्योंकि हम कई औद्योगिक इनपुट्स और आवश्यक सामग्रियों के लिए चीन पर निर्भर हैं।

लेकिन एक बात है, जिसे चीन को भी गंभीरता से लेना होगा। भारत बड़ा आयातक है, खासकर चीन के संदर्भ में,भारत, चीन से कुल 113 अरब डॉलर का आयात करता है, जबकि चीन हमसे केवल 14 अरब डॉलर का ही आयात करता है। यह व्यापारिक घाटा लगभग 100 अरब डॉलर का है, जो चीन के पक्ष में है। भारत द्वारा चीन से आयात और व्यापार घाटे की मांग कुछ कम नहीं है। अमेरिका का चीन के साथ लगभग 450 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। हालाँकि, भारत की अर्थव्यवस्था बहुत छोटी है, फिर भी हम चीन की आर्थिक गतिविधि में अपेक्षाकृत काफी योगदान दे रहे हैं।

ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकलन के आधार पर दी। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, अगर इस कदम की पुष्टि हो गयी तो इसका मतलब होगा कि ईरान का 60 प्रतिशत शुद्धता वाला समृद्ध यूरेनियम का 408 किलोग्राम का अधिकांश भंडार सुरक्षित है। हांलाकि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने इसे नष्ट करने का दावा किया है। फाइनेंशियल टाइम्स ने यूरोपीय संघ के अधिकारियों के हवाले से कहा कि जिस समय हमला हुआ, उस समय ईरान का भंडार संभवत: अलग-अलग जगहों पर था। एक प्रारंभिक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया कि क़ोम के निकट भूमिगत फ़ोर्डो सुविधा में व्यापक क्षति हुई है, लेकिन पूरा विध्वंस नहीं हुआ। ईयू के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की परमाणु क्षमताओं की वर्तमान स्थिति के बारे में यूरोपीय सहयोगियों को निश्चित खुफिया जानकारी नहीं दी है।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की यात्रा का धूमधाम से शुभारंभ हुआ

पुरी, 27 जून। ओडिशा में पुरी स्थित विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के पीठासीन देवताओं, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का नौ दिवसीय प्रवास आज सुबह 'हरिबोल' और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष और मंदिर नगरी में मंजीरों की लयबद्ध झंकार के बीच शुरू हुआ।

दुनियाभर में विख्यात इस वार्षिक रथ यात्रा को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु इस तीर्थ नगरी में आए हुए हैं। वे 12वीं शताब्दी के मंदिर के 'लायंस गेट' से गुंडिचा मंदिर तक फैले तीन किलोमीटर लंबे बड़ा डांडा (विशाल मार्ग) ग्रैंड रोड पर एकत्रित हुए। दैनिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद सबसे पहले भगवान सुदर्शन के साथ दैवीय रूपों वाले भाई-बहनों को गोपाल भोग (नाश्ता) अर्पित किया गया। इसके बाद उन्हें भव्य जुलूस के रूप में गर्भगृह (रत्न वेदी) से बाहर लाया गया, जिसे पहांडी बिजे के नाम से जाना जाता है। फिर उन्हें मंदिर के बाहर खड़े उनके सुसज्जित रथों तक ले जाया गया। सैकड़ों मंदिर सेवकों ने देवताओं को अपने कंधों पर उठाकर सिंह द्वार तक पहुंचाया।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की भर्ती

भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारियों के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

रिक्तियों की संख्या : 541

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi/careers/current-openings** पर विज्ञापन क्र. **CRPD/PO/2025-26/04** के अंतर्गत लिंक उपलब्ध हैं. प्रत्याशियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.

- **ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क के भुगतान की तिथि: 24.06.2025 से 14.07.2025**

किसी भी तरह की पुछताछ करने के लिए कृपया हमें **"CONTACT US"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो ऊपर उल्लिखित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 24.06.2025 — महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

'केवल भाषणबाजी, इच्छाशक्ति व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि संघर्ष विराम की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया या नहीं। जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े हों, तो संवाद की राह और संकरी हो जाती है।

ट्रंप की टिप्पणियों से यह भी स्पष्ट हो गया कि अब वॉशिंगटन युद्ध का भार अकेले उठाने को तैयार नहीं है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका सैन्य सहायता (संभवत: पैट्रियट मिसाइल सिस्टम) देना जारी रखेगा, लेकिन अब यूरोपीय सहयोगियों को कहीं बड़ी भूमिका निभानी होगी। शिखर सम्मेलन में नाटो सदस्यों ने अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाने पर सहमति जताई, यह ऐसा लक्ष्य है, जिसे ट्रंप ने लंबे समय से ज़रूरी बताया है। संदेश साफ था, यूरोप अब अमेरिकी मदद को असीमित सुरक्षा गारंटी न माने।

हालाँकि रूस के साथ वार्ता शुरु करने के प्रयास जारी हैं पर ट्रंप ने माना कि रूस ने अब तक केवल सीमित संघर्ष विराम की बात की है, वह भी अस्वीकार्य क्षेत्रीय मांगों के साथ। उनके प्रशासन की कूटनीतिक कोशिशों से कीव और यूरोपीय देशों में चिंता बढ़ी है, जो जोर देते हैं कि किसी भी समाधान में यूक्रेन की पूरी भागीदारी होनी चाहिए। ''यूक्रेन के बारे में बिना यूक्रेन के कुछ नहीं,'' यह वाक्य अब एक स्पष्ट कूटनीतिक लक्ष्मण रेखा बन चुका है, और ट्रंप इसका उल्लंघन नहीं करना चाहते हैं।

इस बीच, नाटो का रूस के प्रति रवैया भी कुछ नरम हुआ है। जहाँ एक ओर गठबंधन ने सामूहिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और रूस को दीर्घकालिक खतरा बताया, वहीं इस वर्ष के सम्मेलन में क्रेमलिन की आलोचना अपेक्षाकृत कम थी। यूक्रेन की आवाज़ भी पहले से धीमी रही, क्योंकि ध्यान अब बजट लक्ष्यों और ईरानी आक्रामकता जैसे अन्य भू-राजनीतिक मुद्दों पर केन्द्रित रहा

सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन बदलते समीकरणों ने पश्चिमी रणनीति की पुनर्समीक्षा शुरू कर दी है। ट्रंप के करीबी हलकों में यह चिंता बढ़ रही है कि रूस पर और प्रतिबंध लगाना उल्टा असर डाल सकता है। इससे क्रेमलिन पर दबाव तो बढ़ेगा, लेकिन साथ ही कूटनीतिक रास्ते भी बंद हो सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हम दबाव बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं चाहते कि सारे कूटनीतिक दरवाज़े ही बंद हो जाएं।''

ट्रंप के बयान उनके चुनावी भाषणों की निश्चितता से बिल्कुल उलट थे। अब वे खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह युद्ध कहीं ज़्यादा जटिल, अस्पष्ट और किसी एक नेता के नियंत्रण से बाहर है। यूक्रेन का युद्ध रातों-रात समाप्त नहीं होगा, और लंबे समय बाद पहली बार, ट्रंप ने यह बात स्वयं कही है।

भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुल 4415 भारतीय नागरिकों (ईरान से 3597 और इज़राइल से 818) को भारतीय वायुसेना के तीन विमानों सहित 19 विशेष निकासी उड़ानों के माध्यम से निकाला गया है। इनमें 14 ओसीआई कार्ड धारक, 09 नेपाली नागरिक, 04 श्रीलंकाई नागरिक और एक भारतीय नागरिक के एक ईरानी जीवनसाथी को भी ईरान से निकाला गया।

एससीओ में भारत का अकेला पड़ना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का कहना है कि एससीओ में भारत के प्रभाव की भारी कमी विदेश नीति की व्यापक विफलता का संकेत है।

पूर्व भारतीय राजनयिकों ने, नाम न छापने की शर्त पर, खुलकर अपनी राय रखी। एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा, ''शंघाई सहयोग संगठन कोई साधारण बहुपक्षीय क्लब नहीं है। यह एशिया में शक्ति संतुलन में हो रहे बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, और इस मंच पर भारत का एक महत्वपूर्ण स्थान था। लेकिन रणनीतिक दिशा की स्पष्टता के अभाव में, अब यह उपस्थिति केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है।''

इस आलोचना के केन्द्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर का काम-काज है। शुरुआत में उन्हें वैश्विक मामलों की गहरी समझ रखने वाले एक अनुभवी टैक्नोक्रैट एवं राजनयिक के रूप में सराहा गया था, लेकिन अब उनके कार्यकाल पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आलोचकों का कहना है कि जयशंकर, भारत के रणनीतिक हितों के रक्षक के बजाय, सत्तारूढ़ पार्टी की विचारधारा के प्रवक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उनका आक्रामक लहजा और बार-बार की राष्ट्रवादी भाषणबाजी, जो देश में भले ही लोकप्रिय हो, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इससे न तो कोई सहयोग मिलने की स्थिति बनी, और न ही विरोधियों का रवैया बदला। कई विदेश नीति विशेषज्ञों का मानना है कि जयशंकर का कार्यकाल प्रतिक्रियाशील रवैये के लिये ज्यादा पहचाना गया है, न कि सक्रिय कूटनीति के लिये। जाने -माने भू-राजनैतिक विश्लेषक प्रोफेसर राजन मेनन ने कहा, ''चाहे वह पश्चिम एशिया में भारत का प्रभावहीन होना हो, चीन नीति को लेकर भ्रम एवं असमंजस की स्थिति हो, या रूस और अमेरिका के बीच संतुलन साधने में असफलता, विदेश मंत्रालय की कोई स्पष्ट वैश्विक दृष्टि एवं सोच नज़र नहीं आती।'' हालांकि, केवल जयशंकर को दोष देना अधूरी सोच होगी। बड़ी विफलता तो शीर्ष स्तर पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश नीति के सम्बंध में निर्णय लेने का काम अपने कार्यालय में केन्द्रित कर दिया है। पीएम की प्राथमिकता दिखावटी कूटनीति पर रही है- भव्य शिखर सम्मेलन, विश्व नेताओं के साथ फोटो खिंचवाना और प्रवासी भारतीयों की विशाल सभाएं और उनके लिए बड़े-बड़े आयोजन, लेकिन ये सब स्थायी भू-राजनीतिक लाभ में नहीं बदले। कभी वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज़ बुलंद करने का वादा करने वाली मोदी की विदेश नीति इन दिनों बिल्कुल भिन्न वास्तविकता सामने ला रही है। भारत अलग-थलग पड़ता जा रहा है, चाहे वह जलवायु परिवर्तन का बिन्दु हो, क्षेत्रीय संघर्ष हो या बहुपक्षीय संस्थाएं। इस तरह से अलग -थलग पड़ना विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि वैश्विक शक्ति समीकरण तेजी से बदल रहे हैं।

एशियाई सुरक्षा ढांचे में चीन प्रमुख भूमिका निभा रहा है, और रूस भी, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, अपना प्रभाव पुन: स्थापित कर रहा है। ऐसे में, भारत की रणनीतिक अस्पष्टता ने इसे सहयोगियों और विरोधियों, दोनों की नज़रों में अविश्वसनीय बना दिया है। यहां तक कि ईरान और मध्य एशियाई गणराज्य जैसे पारंपरिक सहयोगी देश भी अब चीन के प्रभाव क्षेत्र की ओर बढ़ते दिख रहे हैं, जिससे भारत की रणनीतिक स्थिति और कमजोर हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध या ईरान-इज़रायल संकट जैसे मुद्दों पर भारत की स्थिति स्पष्ट न होना - अक्सर मौन रहना या मतदान से परहेज करना- उसकी रणनीतिक अनिर्णय की छवि को और गहरा करता है। एससीओ शिखर सम्मेलन में भी यही अस्पष्टता की स्थिति एक बार फिर दिखाई दी। जहाँ अन्य देश स्पष्ट रुख अपनाते दिखे, भारत की ओर से हस्तक्षेप सतही रहा और वह प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों को सम्बोधित नहीं कर सका। अब यह मांग उठ रही है कि पूरी विदेश नीति पर पुनर्विचार हो। कई लोगों का मानना है कि जयशंकर को पद से हटाना एक शुरुआती कदम हो सकता है, लेकिन अन्तिम नही। केवल इससे बात खत्म नहीं होगी। भारत को विदेश मंत्री के रुप में केवल नया चेहरा ही नहीं चाहिये, बल्कि विदेश नीति की रणनीति में व्यापक सुधार की ज़रूरत है। देश को अपनी गुटनिरपेक्षता की परंपरा में लौटते हुए सक्रिय भूमिका को अपनाना होगा, न कि उस भ्रमित अलगाववाद को, जिसे रणनीतिक स्वायत्तता के आवरण में छुपाया जाता है। दुनिया तेजी से पुनर्गठित हो रही है, और भारत एक मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकता। यदि सरकार मौजूदा दिशा को स्वीकार कर, उसमें सुधार नहीं करती, तो भविष्य में वैश्विक मंचों पर उसे निश्चित रुप से और भी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी और देश की भू-राजनीतिक स्थिति पर इसका गम्भीर असर होगा।

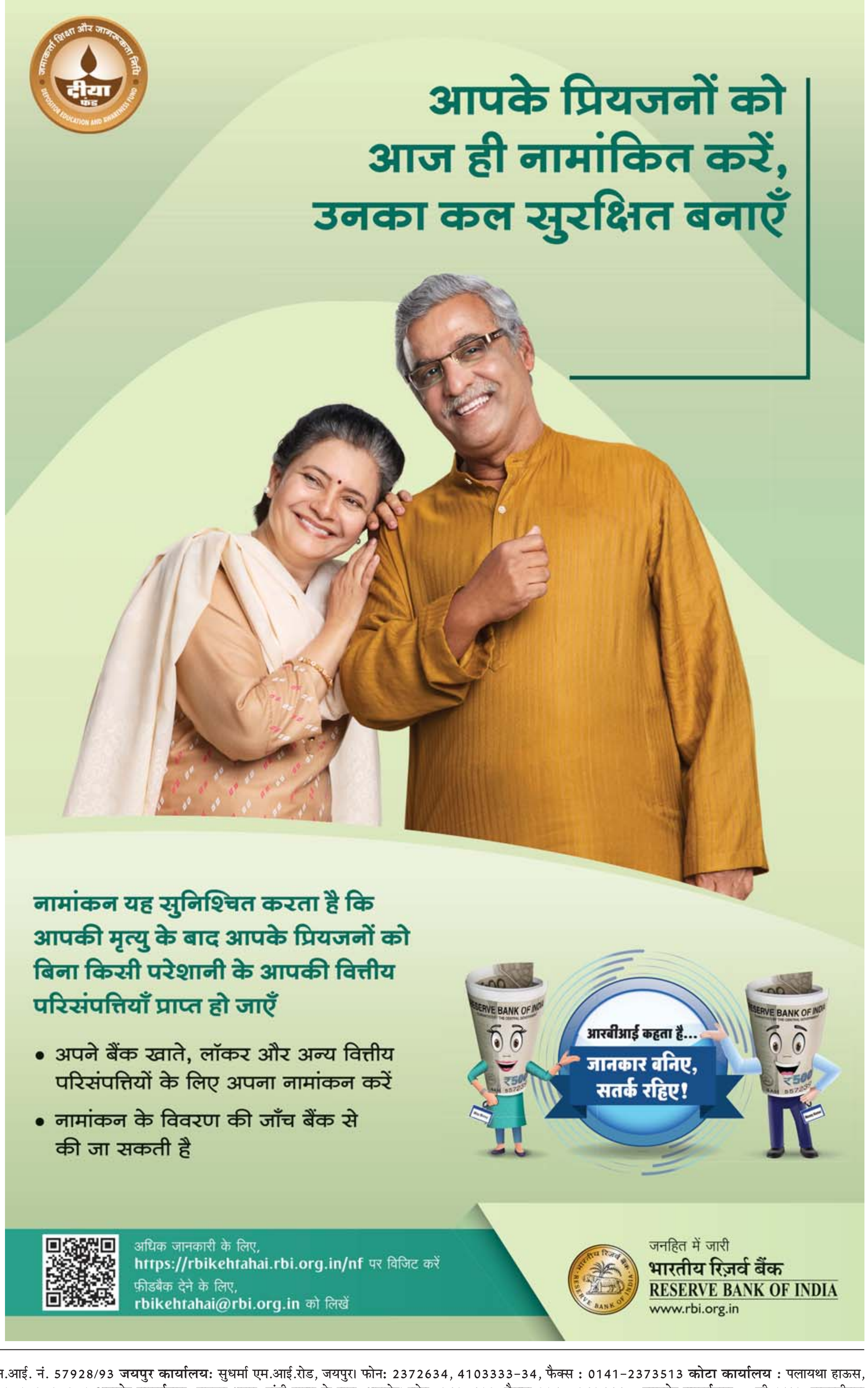

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908